

18 महीने में इलेक्ट्रिक बसों ने दिल्ली को 50,000 टन से अधिक CO₂ से बचाया, सर्दियों में इस बार नहीं होगी दिक्कत

संजय बाटला, संपादक

नई दिल्ली। इन सड़ियों में दिल्ली के लोग कम पोल्यूशन का अनुभव कर सकते हैं और वे आसानी से सांस ले सकते हैं। दिल्ली की सड़कों पर पिछले 18 महीने में लगातार उतरती इलेक्ट्रिक बसें ने दिल्ली का वातावरण आम लोगों के हिसाब से पिछले कुछ समय से बेहतर किया है। दिल्ली सरकार दिसंबर 2025 के अंत तक दिल्ली की सड़कों पर 2026 से अधिक इलेक्ट्रिक बस उतारने की तैयारी कर रही है।

इस समय देश भर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में इलेक्ट्रिक बस को शामिल करने के मामले में दिल्ली सबसे अग्रणी राज्य बनकर उभरा है. इस महीने की शुरुआत में ही केंद्रीय कैबिनेट ने देश भर की सड़कों पर 10,000 इलेक्ट्रिक बस उतारने की में जूरी दी थी जिस पर 57613 करोड़ खर्च आना है. इस फैसले से दिल्ली को भी काफी इलेक्ट्रिक बसों मिलने का रास्ता साफ हुआ है.

इलेक्ट्रिक बसें आने से दिल्ली में कार्बन के उत्सर्जन में काफी कमी आएगी और भारत को अपना नेट जीरो कमिटमेंट को पूरा करने में मदद मिलेगी. दिल्ली के वातावरण में प्रदूषण कम करने के लिए केंद्रीय कैबिनेट का यह फैसला स्वागतयोग्य है. दिल्ली के सेंटर फॉर

साइंस एंड एनवायरमेंट ने कहा है कि साल 2022-23 की सर्दियां दिल्ली के लोगों के लिए साल 2018 के बाद से सबसे बेहतर रही है.

सीसीएसएल कंसल्टिंग के निदेशक अनिल शर्मा ने कहा, 'रुड़िल्ली की सड़कों पर चलने वाली इलेक्ट्रिक बस प्रति किलो मीटर 2.4 किलो कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन बचाती है. इलेक्ट्रिक बस दिल्ली में मई 2022 से चल रही है. करीब डेढ़ साल से चलने वाली इलेक्ट्रिक बसों ने अब तक दिल्ली में 50,000 टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोका है.रू

दिल्ली में वायु प्रदूषण में ट्रांसपोर्ट की सबसे बड़ी भूमिका है और इलेक्ट्रिक व्हीकल के आने से दिल्ली में ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन और एनर्जी सिंक्रियोरिटी के मामले में काफी मदद मिलने की उम्मीद है.

इलेक्ट्रिक बस कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन रोकने के अलावा नॉइज पोल्यूशन भी कम करती है, इसका मतलब यह है कि ट्रांसपोर्ट की वजह से होने वाले नॉइज पोल्यूशन को काबू करने में भी इलेक्ट्रिक बस से काफी मदद मिली है, इसके साथ ही इलेक्ट्रिक बस चलाने वाले ड्राइवर को आराम मिलता है क्योंकि इस बस में वाइब्रेशन और इंजन की आवाज भी नहीं है।



दिलचस्प तथ्य है कि दिल्ली में 2026 इलेक्ट्रिक बसों के आने से 12 साल में 14.5 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा. इलेक्ट्रिक बसों का एक्सपेक्टेड लाइफ 12 साल ही माना जाता है.

दिल्ली सरकार ने साल 2025 तक दिल्ली की सड़कों को इलेक्ट्रिक बस से लैस करने के उद्देश्य पर काफी तेजी से कदम बढ़ाया है. बस बनाने वाली कंपनियां भी इस काम को पूरा

करने में पूरा जोर लगा रही हैं। इलेक्ट्रिक बस बनाने वाली कंपनियां अपनी मैनुफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही हैं और ओरिजिनल इक्विपमेंट मैनुफैक्चरर ड्राइवर को ट्रेनिंग देकर बसों को बेहतर तरीके से चलाने की कोशिश कर रही हैं।

लगातार रिसर्च एंड डेवलपमेंट की वजह से बैटरी की लाइफ बढ़ाने में भी काफी मदद मिल रही है। इलेक्ट्रिक बस के साथ दिल्ली सरकार ने e-mobility इकोसिस्टम को

बढ़ावा देने के लिए 9 बस डिपो में चार्जिंग
इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना की कोशिश है.

दिल्ली और उसके आसपास के इलाके में कुल 40 बस डिपो हैं जिनमें से 10 को इलेक्ट्रिफाई किया जा चुका है। दिल्ली सरकार की योजना सड़क पर 80 फीसदी इलेक्ट्रिक बसों को नियुक्त करने की है। दिल्ली के ज्यादातर रूट पर इलेक्ट्रिक बस तैनात किए जाने की योजना है।

डीटीसी: क्लस्टर बसें नरेला स्टैंड पर नहीं रुकती



एस डी सेठी, परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के प्राणीय क्षेत्र नरेला के बस यात्री डीडीसी के तहत चल रही ओरेंज यानी कलस्टर बसों के ड्राइवर-कंडक्टर से खासे परेशानी है। कलस्टर बस ड्राइवर निर्धारित बस स्टैंड, अनुमति बस स्टॉप पर बसों को नहीं रोकते हैं। हालांकि इस इलाके में ज्यादातर कलस्टर बसों की ही चालया जा रहा है। सवारियों द्वारा रुकने का संकेत संकेत देने के बावजूद बस ड्राइवर रोकने की बजाए बंद गेट टाए सवारियों के सामने से धड़धडाते हुए निकल जाते हैं। इस बावत नागरिक अधिकार आंदोलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवरत आर्य ने बताया कि नरेला, बवाना, नानीखेड़ा कलस्टर बस डिपो से जुड़े ज्यादातर बस ड्राइवर बतौर पिकनिक के बसों को चला रहे हैं। अध्यक्ष का आप

है कि इन क्लस्टर बसों में डीटीसी के कंडक्टरों की भी पूरी सट-गाट है। वरन् भी इंड्रवर्ग को रकने के लिए सीटों तक नहीं बताते हैं। नागरिक अधिकार आंदोलन के अध्यक्ष राजनवर आर्य ने बताया कि नरेला सैक्टर ए-९, रथित खुल्ला बाजार, ए-५ क्रासिंग, नरला हरीश चन्द्र अस्पताल, औद्योगिक एरिया नरेला, कुन्नी मोड अलीपुर रोड, महाराजा अग्रसेन स्कूल और अस्पताल जहां से दिनरात महीजो समेत उनके तौमारा दारों का आगमन करता रहता है। विशेषतः इन्हीं बस स्टाप पर ही बसें नहीं रोकते हैं। उन्होंने बताया डिपो क्लस्टर, और रानी खेड़ा बस क्लस्टर बस डिपो से जुड़ी इन तमाम बस डिपो मैनेजरों से उन्नत क्लस्टर बस इंड्रवर-कंडक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी की अपील की है।

दक्षिण भारत के तीर्थस्थानों की सैर कराएगी भारत गौरव ट्रेन, प्रयागराज संगम से 28 अक्टूबर को होगी रवाना



परिवहन विशेष न्यूज

दक्षिण भारत के विभिन्न तीर्थ स्थलों के लिए भारत गौरव ट्रेन प्रयागराज से 28 अक्टूबर को रवाना होगी। सात नवंबर को यह ट्रेन वापस लौटेगी। ट्रेन में यात्रियों को सुबह के नाश्ते के साथ दोपहर एवं रात का शाकाहारी भोजन भी दिया जाएगा।

प्रयागराज। दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों की सैर कराने के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने भारत गौरव ट्रेन चलाने की घोषणा की है। यह ट्रेन इस बार प्रयागराज भी आएगी। यहां से इसका संचालन प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन से होगा। यह ट्रेन दक्षिण भारत के रामेश्वरम, मीनाक्षी मंदिर मदुराई, कन्याकुमारी, तिरुपति बाला जी, मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आदि का भ्रमण करेगी। खास

बात यह है कि इस ट्रेन में स्लीपर के साथ एसी
 श्री एवं एसी टू का भी कोच रहेगा। इस ट्रेन का
 ठहराव प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर भी होगा।
 दक्षिण भारत के विभिन्न तीर्थ स्थलों के
 लिए भारत गौरव ट्रेन प्रयागराज से 28
 अक्टूबर को रवाना होगी। सात नवंबर को यह
 ट्रेन वापस लौटेगी। ट्रेन में यात्रियों को सुबह के
 नाश्ते के साथ दोपहर एवं रात का शाकाहारी
 भोजन भी दिया जाएगा। यात्रियों की डिमांड पर
 उन्हें बिना लहसुन और प्याज वाला भोजन भी
 उपलब्ध करवाया जाएगा।

आईआरसीटीसी ने भारत गौरव ट्रेन की बुकिंग शुरू कर दी है। यहां प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर एक पर स्थित आईआरसीटीसी के कार्यालय पर यात्रा की बुकिंग शुरू की गई है। यात्री चाहें तो आईआरसीटीसी की वेबसाइट से भी बुकिंग करवा सकते हैं। इस दौरान लोकल परिवहन

और यात्रियों के ठहरने की भी व्यवस्था आईआरसीटीसी के माध्यम से ही की जाएगी। आईआरसीटीसी के क्षेत्रीय प्रबंधक अजीत सिन्हा ने बताया कि दस रात और 11 दिन के इस पैकेज में जिन लोगों को स्लीपर कोच में यात्रा करनी है उन्हें 21420 रुपये, थर्ड एसी में 36400 एवं एसी टू कोच में प्रति व्यक्ति किराया 48420 रुपये रहेगा। ट्रेन में कुल 767 बर्थ बुक की जाएंगी। इसमें एसी टू की 49, एसी थी की 70 एवं स्लीपर श्रेणी की 648 बर्थ शामिल हैं।

एकमुश्त और मासिक किस्त पर कर सकते हैं किराये का भुगतान
भारत गौरव ट्रेन के लिए यात्री एकमुश्त और मासिक किस्त पर भी किराये का भुगतान कर सकते हैं। यात्रा के दौरान पूरे समय आईआरसीटीसी के टूर मैनेजर लोगों की सहायता के लिए ट्रेन में ही रहेंगे।।

यातायात नियमों को तोड़ने में दून के लोग सबसे आगे, सात महीने में हुए 13886 चालान

देहरादून। देहरादून जिले में परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल ने इस साल जनवरी से अब तक 13886 वाहन वाहकों को चालान ट्रैफिक नियम तोड़ने पर किए हैं। जबकि उत्तरकाशी में 2302 और टिहरी में 1628 चालान हुए हैं। दून संभाग में यातायात नियमों को तोड़ने में देहरादूनवासी सबसे आगे हैं। दून के बाद हरिद्वार के लोग भी जमकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। वहीं उत्तरकाशी और टिहरी के बशिंदे नियमों का पालन करने को लेकर जागरूक हैं। यह जानकारी परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा संभाग में यातायात नियमों को तोड़ने पर वाहन चालकों पर की गई चालानां कार्रवाई के अध्ययन में सामने आई। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक देहरादून जिले में परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल ने इस साल जनवरी से अब तक 13886 वाहन चालकों को चालान ट्रैफिक नियम तोड़ने पर किए हैं। जबकि उत्तरकाशी में 2302 और टिहरी में 1628 चालान हुए हैं। दून संभाग में वाहन चालक कई तरह से यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। बड़ी बात यह है कि पुलिस प्रशासन की ओर से ट्रैफिक जागरूकता को चलाए जा रहे तमाम अभियान के बाद भी पूरे संभाग में इस साल यातायात नियम तोड़ने के मामले 64 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं।

सड़क पर बैरिंगोट व डिवाइडर्स पर रिप्लेवटर बहुत जरूरी : बिजेन्द्र सैनी

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद । उपायुक्त विक्रम सिंह के आदेशानुसार व प्रादेशिक परिहसन अधिकरण फरीदाबाद जितेंद्र कुमार गहलवाल देडी ओ स्टेट रोड सेप्टी कारासल सुदयस सरदार देवेंद्र सिंह के निशे आनुहार रोड सेप्टी ओमनी फ्राउंडेशन से बिजेंद्र सैनी ने सांकिशल ग्रुप के साथ फरीदाबाद से गगपूरी पूल बूथ क पहुँचें वहाँ टीम के साथ डिवाइडरो पर रिस्पेक्टर लगाई वकूई रात के अंधेरे में अकसर वाहन डिवाइडर से टकरा जाई और आपनी टीम के साथ रास्तों में पुलिस चेक बैरिंगेटो पर भी रिस्पेक्टर लगाई अधिकतर बैरिंगेटो पर पेड़ होने के बाद फ्रिलेक्टर नहीं होते जो दुर्घटना का मुख्य कारण है जल्द ही रोड सेप्टी ओमनी फ्राउंडेशन की टीम जहाँ बैरिंगेटो पर रिस्पेक्टर टेप नहीं है वहाँ जल्द टेप लगाने की प्रक्रिया शुरू करी जाएगी वकूई अब मौसम में भी बदलाव आ रहा है और टोल पर वाहन चालकों को समझाया कि आप सड़क सुरक्षा नियमों का तोड़ें तेज रफ़्तार में वाहन ना चलाए गलत सड़क नियमों के कारण देश में हर 1 मिनिट पर एक एक्सीडेंट और 3 मिनिट में मौत हो जाती है आपका जीवन अनमोल है सड़क पर ध्यान और सावधानी से चले व वाहन चलाए सड़क का अधिक प्रयोग करें इससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा और सड़कों पर जाम और प्रदूषण भी कम होगा सांकिशल आपनी दिशा में चलाए, प्रदूषण में रिस्पेक्टर टेप या लाईट भी जरूरी होनी चाहिए ।

आज इस अभियान में सतीश, वंदना अग्रवाल, अजय, रिकु, विजय, नितिन उप्पल, बीर प्रताप, अरुण व अन्य मौजूद रहें।



टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर
(152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर
उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन
नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-
2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4
पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड,
नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

नूंह की सीमाएं सील: कल निकलेगी ब्रजमंडल यात्रा स्कूल-कॉलेज और बैंक बंद ; बढ़ाई गई नल्हड़ मंदिर की सुरक्षा

परिवहन विशेष न्यूज

प्रशासन ने सभी स्कूल, कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थानों की छुट्टी कर दी है। साथ ही, बैंक व एटीएम बूथ बंद रखने के आदेश जारी किए हैं।

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद की ओर से सोमवार को ब्रजमंडल यात्रा निकालने के एलान के बाद प्रशासन अलर्ट है। जिले की सीमाओं को सील कर गहन चेकिंग के बाद ही वाहनों को प्रवेश दिया जा रहा है। रविवार को सभी कस्बों में पलैंग मार्च भी निकाला गया। सभी अधिकारी व कर्मचारियों की छुट्टी रद्द कर दी गई है। खुफिया तंत्र जिले में हो रही हर गतिविधि पर रखे हुए हैं। प्रशासन ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट की संख्या भी बढ़ा दी है। डीसी ने कहा है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, गांवों की शांति कमेटी से अपील की गई है कि वे अफवाह न फैलाने दें और लोगों को समझाकर घर पर ही रहने को कहें।

प्रशासन ने सभी स्कूल, कॉलेज व अन्य शिक्षण संस्थानों की छुट्टी कर दी है। साथ ही, बैंक व एटीएम बूथ बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। जिले में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात कर नल्हड़ मंदिर की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। किसी भी संदिग्ध से पुलिस पूछताछ करने के बाद ही जाने दे रही है।

पुलिस ने यूपी, राजस्थान की सीमाओं के अलावा पलवल, फरीदाबाद, गुरुग्राम, तिजारा व भरतपुर से आने वाले लोगों पर विशेष नजर रखने के लिए बॉर्डर पर

निगरानी बढ़ा दी है। पुलिस कप्तान नरेंद्र बिजारनिया ने बताया कि कोई भी व्यक्ति धारा-144 का उल्लंघन न करे। प्रशासन ऐसे लोगों से सख्ती से निपटेगा। कुछ लोग माहौल खराब करना चाहते हैं, ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

वहीं, हरियाणा के पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने शनिवार को कहा था कि प्रशासन ने 3 से 7 सितंबर तक नूंह में होने वाली जी-20 शेरपा समूह की बैठक और 31 जुलाई को हुई हिंसा के बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यात्रा की अनुमति देने से इन्कार किया है।

गुरुग्राम में पोस्टर लगाकर झुगियाओं में आग लगाने की धमकी

सेक्टर-69 में बसी झुगियाओं के बाहर पोस्टर लगाकर खाली करने और आग लगाने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस मामले दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

यात्रा की अनुमति नहीं: मनोहर

नूंह हिंसा का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को पंचकुला में कहा कि यात्रा के लिए अनुमति नहीं दी गई है। लोग केवल जलाभिषेक के लिए क्षेत्र के मंदिरों में जा सकते हैं। कानून और व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

1900 पुलिस जवान और अर्द्धसैनिक बलों की 24 कंपनियां तैनात

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) ममता सिंह ने रविवार को कहा



कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इंतजाम किए गए हैं। नूंह में पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, हरियाणा पुलिस के 1,900 जवान और अर्द्धसैनिक बलों की 24 कंपनियां तैनात की गई हैं। अंतरराज्यीय और अंतरजिला सीमाओं पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। केएमपी एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर यातायात जारी रहेगा। 28 अगस्त तक मोबाइल इंटरनेट बंद रहेगा।

डीजीपी ने पड़ोसी राज्यों से की

ऑनलाइन बैठक

डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने सीमावर्ती राज्यों पंजाब, दिल्ली, यूपी, राजस्थान और चंडीगढ़ के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक की अध्यक्षता की और किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों का आह्वान किया।

डीएलएड की परीक्षा स्थगित

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के

अध्यक्ष डॉ. वीपी यादव एवं सचिव ज्योति मित्तल ने बताया कि नूंह की 28 अगस्त को होने वाली डीएलएड प्रथम वर्ष परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। शेष दिनों की परीक्षाएं पूर्व निर्धारित तिथि पत्र अनुसार संचालित होंगी। नूंह में धारा-144 लागू होने व संवेदनशील हालातों को देखते हुए परीक्षा को स्थगित करने का फैसला लिया गया है। यह परीक्षा 4 सितंबर को पूर्व निर्धारित समय पर संचालित होगी।

दिल्ली-NCR में अचानक बदला मौसम का मिजाज, कई इलाकों में हुई जोरदार बारिश;



नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रविवार देर शाम गरज के साथ बारिश होने से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। पूरे दिन लोगों को जलती-चूभती गर्मी से दो-चार होना पड़ा लेकिन शाम होते ही उन्हें बारिश की बौछारों ने राहत दी। हालांकि मौसम विभाग ने पहले ही रविवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया था।

14 सालों का दूसरा सबसे सूखा साबित हो सकता है अगस्त

मौसम विभाग के अनुसार, अगस्त की अंतिम दिन में सामान्य से कम बारिश होगी। दिल्ली में अगस्त के महीने में सिर्फ 91.8 एमएम बारिश हुई। सामान्य तौर पर अगस्त में 233.1 एमएम बारिश होती है। यानी यह अगस्त कम से कम 14 सालों का दूसरा सबसे सूखा अगस्त साबित हो सकता है।

पूरे सप्ताह नहीं बारिश के आसार

मौसम विभाग की मानें तो अगले एक हफ्ते तक बादलों का आना-जाना लगा रहेगा लेकिन बारिश के आसार नहीं हैं। लोगों को एक बार फिर उमस भरी गर्मी से दो-चार होना पड़ेगा। यहां तक की तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जा सकता है।

इस वजह से सूखा झेल रही दिल्ली

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दिल्ली-एनसीआर के इर्द-गिर्द कोई मानसूनी सिस्टम सक्रिय नहीं है। इसके कारण बारिश नहीं हो रही है और न ही आगे होने की आशंका है। ऐसे में अगले माह गर्मी का सितम और अधिक देखने को मिल सकता है।

बारिश न होने से बढ़ा प्रदूषण स्तर

दिल्ली-एनसीआर में उष्मीद के मुताबिक बारिश न होने से वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने लगा है। सीपीसीबी के आंकड़ों के मुताबिक रविवार को आनंद विहार ही वायु सबसे प्रदूषित दर्ज की गई।

डीयू एंड कॉलेज यूनियन के सैकड़ों कॉट्रेक्ट कर्मियों को हटाए जाने पर धरना 42 वें दिन भी जारी है

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। पिछले 20 से 25 सालों से दिल्ली यूनिवर्सिटीज के कॉलेजों में कॉट्रेक्ट के तौर पर काम कर रहे कर्मचारियों के साथ हुई नाइंसाफी के खिलाफ सैकड़ों नॉन टीचिंग गुस्साए कर्मचारियों का धरना-प्रदर्शन आज 42 दिन बाद भी जारी है। यूनियन अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा का आरोप है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने कॉट्रेक्ट कर्मियों के साथ छल-बाजी करके उनसे रेगुलर/स्थायी करने के नाम पर यूनिवर्सिटी से अलहेदा किसी बाहरी एजेंसी से परीक्षा लेकर ज्यादातर कॉट्रेक्ट कर्मियों को फेल करार कर उन्हें जॉब से बेदखल कर दिया गया है। यूनियन अध्यक्ष ने बताया कि डीयू प्रशासन का

अन्याय/सितम यहाँ तक सीमित रहता तो बात थी। यहां तो छलबाजी से डीयू कॉट्रेक्ट कर्मचारियों की जगह नई भर्तियां तक कर डाली। 20 से 25 सालों से कॉट्रेक्ट पर काम कर रहे कर्मचारियों को नौकरी से बेदखल करने से गुस्साए सैकड़ों नॉन टीचिंग कर्मियों ने आमरण अनशन के तहत 42 दिन से यानि 15 जुलाई से डीयू के गेट नंबर -4 के सामने धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बावत दिल्ली यूनिवर्सिटी एंड कॉलेज कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि 20 -से 25 सालों से लगातार यूनिवर्सिटी की सेवा कर रहे कर्मचारियों को 45-50 की उम्र में नौकरी से हटाना किसी भी सूरत में न्याय संगत नहीं है। अपनी जवानी यूनिवर्सिटी को देने के बाद आज अंधे उम्र में



वह जाएं तो जाए कहा? उन्होंने कहा कि वर्कर्स के बच्चे शादी के लायक हो रहे हैं, या पढ़ाई कर रहे हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी की कूरतापूर्ण कृत्य की यूनियन जबरदस्त खिलाफत करता है। वहीं दूसरी तरफ डीयू प्रशासन ने यूनियन पदाधिकारियों से सान्त्वना मीटिंग कर धरना खत्म कराने की कोशिश की है। लेकिन यूनियन अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा ने ऐलान कर दावा किया है

कि जब तक दिल्ली यूनिवर्सिटी प्रशासन तमाम कॉट्रेक्ट और जबरन फेल कर दिए गए कर्मचारियों को वापस नौकरी समेत उन्हें रेगुलर करने के लिखित आदेश जारी नहीं करती है, तब तक कर्मचारी यूनियन का धरना-प्रदर्शन जारी रहेगा। इस संवाददाता द्वारा जब धरना-प्रदर्शन की जगह दौरा किया तो, वहां सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों में मौजूद महिलाएं -रोकर

अपनी युवावस्था को कॉट्रेक्ट पर सुहा करने की बात दोहराने लगी। वह रौ-रौकर कह रहीं थी कि इस ओवरएज में अब जाए तो जाए कहा? खुले में तपती धूप गर्मी और बरसात को झेलने को मजबूर ये कॉट्रेक्ट कर्मी बेहद ही बुरी स्थिति में हैं। यूनिवर्सिटी प्रशासन को तत्कालीन इनको न्यायोचित रेगुलर करने की कारवाई पर अमल करना चाहिए।

डीयू में पहली बार आरक्षित श्रेणी के शिक्षक पदों को पूर्ण आरक्षण देकर भरा जा रहा है : डॉ.सुमन

एससी/एसटी ,ओबीसी टीचर्स डूटा में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार प्रोफेसर अजय भागी को अपना पूर्ण समर्थन देंगे

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (डूटा) के होने वाले आगामी 27 सितंबर को चुनाव के महंनजर एससी/एसटी, ओबीसी के शिक्षकों ने शनिवार, रविवार की छुट्टी का लाभ उठाते हुए विश्वविद्यालय के आसपास बसी कॉलोनिशों में विजय नगर, कैम्प, मुखड़ी नगर, निरंकारी कॉलोनी, मॉडल टाउन आदि क्षेत्रों में रहने वाले शिक्षकों से डूटा में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार प्रोफेसर ए. के. भागी के लिए जन सम्पर्क अभियान के तहत उनके समर्थन में वोट देने की अपील की। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन के एनडीटीएफ के ज्वाइन करने के बाद उन्होंने डूटा चुनाव के लिए प्रोफेसर भागी के लिए प्रचार तेज कर दिया है। शनिवार, रविवार को डॉ. हंसराज सुमन के नेतृत्व में इन जगहों पर रहने वाले शिक्षकों को बताया गया कि पिछले एक दशक से दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों व विभागों में नियुक्ति व पदोन्नति नहीं हो रही थीं, एससी/एसटी व ओबीसी कोटे की सीटों में काफी विसंगतियां थीं, रोस्टर को गलत तरीके से बनाया गया था। डॉ. सुमन ने शिक्षकों को बताया कि 2021 में प्रोफेसर अजय भागी के डूटा अध्यक्ष बनने के बाद सबसे पहले रोस्टर रजिस्टर ठीक हुआ, शिक्षक नियुक्तियों में 200 पॉइंट पोस्ट बेस रोस्टर लागू कराया, पदों को विज्ञापित कराया गया और पिछले डेढ़ साल से विभागों व कॉलेजों में स्थायी नियुक्ति व

पदोन्नति हो रही है जिसका पूरा श्रेय डूटा अध्यक्ष प्रोफेसर भागी को जाता है। उनके नेतृत्व में शिक्षकों की नियुक्ति व पदोन्नति जारी है। अभी तक 2750 पदों पर स्थायी नियुक्ति हो चुकी है।

जन सम्पर्क अभियान के तहत आरक्षित श्रेणी के कुछ शिक्षकों ने डॉ. हंसराज सुमन से सवाल किया कि आरक्षण के माध्यम से अभी तक कितने पदों को भरा गया है तो उसके प्रति उत्तर में डॉ. सुमन ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय में पहली बार आरक्षित श्रेणी के शिक्षक पदों को पूर्ण आरक्षण देकर भरा जा रहा है। उन्होंने बताया कि जहाँ विश्वविद्यालय व कॉलेजों में 2700 पदों पर नियुक्तियां हुई हैं उसमें 50 फीसदी पदों पर एससी/ एसटी व ओबीसी से भरे गए हैं। उन्होंने बताया है कि कुछ कॉलेजों ने तो अपने यहाँ विभागों में बैकलॉग भी दिया है जिससे इन वर्गों के शिक्षकों के साथ सामाजिक न्याय हुआ है। उन्होंने शिक्षकों को बताया कि प्रोफेसर भागी कॉलेजों और विभागों में समानुपातिक आरक्षण और 200 प्वाइंट करेक्ट रोस्टर के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से बराबर टकराते रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कॉलेजों में पहली बार प्रोफेसरशिप आई है और अभी तक लगभग 500 प्रोफेसर बन चुके हैं। एसोसिएट प्रोफेसर व प्रोफेसर बनने के बाद बहुत से कॉलेजों ने शिक्षकों को उनका एक्जियर भी दे दिया है। उनका अगला कदम ओल्ड पैशन स्कीम को लागू कराना व एडहॉक टीचर्स के पदों को गेस्ट टीचर्स में तब्दील किया है उसे



फिर से एडहॉक पोस्ट कराना उनकी प्राथमिकता में है।

डॉ.सुमन ने बताया कि अपने जन सम्पर्क अभियान के तहत जब एक एडहॉक शिक्षक ने उनसे पूछा कि दिल्ली सरकार के बाकी कॉलेजों में स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया कब शुरू होगी ? इसका जवाब देते हुए डॉ. सुमन ने बताया कि उनकी विश्वविद्यालय प्रशासन से बातचीत हुई है जिसमें उन्होंने बताया है कि सितम्बर महीने में भारतीय कॉलेज, शिवाजी कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) सत्यवती कॉलेज (सांध्य) श्री अरविंद कॉलेज (सांध्य) में जल्द से जल्द नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके बाद अन्य कॉलेजों में भी स्क्रीनिंग पूरी होने पर नियुक्ति होगी। कॉलेज में पढ़ा रहे

नेत्रहीन शिक्षक ने कहा कि उनका रीडर अलाउंस बहुत कम है तथा कभी भी समय पर नहीं आता तथा एडहॉक टीचर्स को भी मेडिकल की सुविधाएं मिले। डॉ.सुमन ने आश्वासन दिया है कि चुनाव के बाद दोनों मांग उनकी प्राथमिकता में रहेंगी और समाधान किया जायेगा।

डॉ.सुमन के साथ श्री अविनाश , डॉ. कुमार अशोक व नीतीश राज ने भी डूटा चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए प्रोफेसर अजय भागी के लिए वोट देने और उन्हें पुनः विजयी बनाने के लिए अपील की।

डॉ. हंसराज सुमन
चेयरमैन --फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर
सोशल जस्टिस

ट्रेन में परोसी गई 'छिपकली कोरमा': डिब्रूगढ़ राजधानी में यात्री की जिंदगी से खिलवाड़,



छिपकली खाने के पैकेज में इस तरह चिपकी हुई कि ध्यान नहीं दिया जाता तो वह खाने के साथ छिपकली को खा जाते। ठीक से देखने पर पता चला कि छिपकली ही खाने में है।

डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस में रेल यात्री के खाने में मृत छिपकली मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। रेल यात्री के खाने में छिपकली मिलने की शिकायत रेल मदद एंप पर की है। ऐसे में रेल प्रशासन व खाना परोसनी वाली कंपनी पर सवाल खड़े होते हैं कि वह यात्रियों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। पिछले दिनों ही डिब्रूद राजधानी एक्सप्रेस में रेल यात्री के खाने में छिपकली निकलने का मामला सामने आया है। ट्रेन संख्या 12423 के कोच

नंबर बी-7 के यात्री को इस तरह का खाना परोसा गया था। यात्री ने ट्रेन की कैटरिंग से खाना मंगवाया तो उसमें खाने के साथ मृत छिपकली पाई गई। सीट नंबर 33 पर यात्रा कर रहे ये यात्री पहले तो चौक गए। चौकने की वजह ये थी कि छिपकली खाने के पैकेज में इस तरह चिपकी हुई कि ध्यान नहीं दिया जाता तो वह खाने के साथ छिपकली को खा जाते। ठीक से देखने पर पता चला कि छिपकली ही खाने में है। इसके बाद यात्री ने कैटरिंग मैनेजर और टीटीई को इसकी सूचना दी। इसके बाद उसने रेल मदद एंप पर इसकी शिकायत की। ट्रेनों में यह स्थिति तब है जब भारतीय रेल की कैटरिंग सर्विस में बहुत सी अनियमितताओं पर लगातार सवाल उठाए जाते हैं। यात्री तो उठाते ही है कई बार सीएजी ने भी अपनी रिपोर्ट में खाने को लेकर टिप्पणी की है। बावजूद भारतीय रेलवे इससे कोई सीख नहीं ले रहा।

जी-20 बैठक से पहले खालिस्तान समर्थकों की शर्मनाक करतूत, मेट्रो के स्टेशनों पर लिखे देशविरोधी नारे

जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले खालिस्तानियों की शर्मनाक करतूत सामने आई है। दिल्ली मेट्रो के अलग-अलग पांच स्टेशनों पर देश विरोधी नारे लिखे गए हैं। दिल्ली पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।



दिल्ली पुलिस के मुताबिक, जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने दिल्ली मेट्रो स्टेशनों के फुट्रेज जारी किए हैं। इनमें देश विरोधी नारे लिखे हुए हैं। दिल्ली के कई मेट्रो स्टेशनों पर शिवाजी पार्क से लेकर पंजाबी बाग तक एसएफजे कार्यकर्ता खालिस्तान समर्थक नारे लगाते हुए देखे गए हैं। मेट्रो के पुलिस उपायुक्त जी राम गोपाल नाइक का बताया कि उन्हें सुबह 11 बजे नांगलोई खाने में नारेबाजी की सूचना मिली थी. इसे लेकर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है. चार मेट्रो स्टेशनों की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक स्लोगन लिखे हैं।

उत्तर भारत में गर्मी खत्म, उमस भी कम होने लगी; अगस्त में बनी इस असामान्य स्थिति पर क्या बोले मौसम विज्ञानी

परिवहन विशेष न्यूज

कुछ दिन पहले तक उमस भरी गर्मी में पसीने से बेहाल हो रहे उत्तर भारत के निवासी अब मौसम में बदलाव महसूस कर रहे हैं। धूप की चुभन कुछ कम हुई है तो उमस के बीच पसीना भी उतना नहीं आ रहा। सुबह व शाम चल रही हवा तो खासतौर पर एक अलग ही अहसास करा रही है। मौसम विज्ञानी भी इस स्थिति को असामान्य करार ही दे रहे हैं।

नई दिल्ली। कुछ दिन पहले तक उमस भरी गर्मी में पसीने से बेहाल हो रहे उत्तर भारत के निवासी अब मौसम में बदलाव महसूस कर रहे हैं। धूप की चुभन कुछ कम हुई है तो उमस के बीच पसीना भी उतना नहीं आ रहा। सुबह व शाम चल रही हवा तो खासतौर पर एक अलग ही अहसास करा रही है।

मौसम विज्ञानी भी इस स्थिति को असामान्य करार ही दे रहे हैं। उनका कहना है कि यह स्थिति अमूमन सितंबर में बनती है, लेकिन इस बार अगस्त में ही बन गई है। इसके पीछे मुख्य रूप से दो कारण हैं। पहला अल नीनो वर्ष होना और दूसरा मानसून का लंबा ब्रेक।

कई राज्यों को अच्छी बारिश का इंतजार

मौसम विज्ञानी बताते हैं कि पहले से ही इसके संकेत मिल गए थे कि अगस्त में मानसून कमजोर पड़ सकता है और वही हो भी रहा है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी इलाकों को छोड़ दें तो करीब 20-22 दिन से

दिल्ली ही नहीं, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान में भी अच्छी बरसात का इंतजार ही हो रहा है।

हवाएं चलना भी हुईं शुरू

दूसरी तरफ पश्चिमी हवाएं चलनी शुरू हो गई हैं। इनकी रफ्तार भी अच्छी है। इस कारण न सिर्फ उमस की चुभन कम हो गई है, बल्कि सुबह-शाम ये हवा भी सुहाने मौसम का अहसास करवा रही है।

सितंबर में भी अच्छी बारिश का नहीं कह सकते

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अभी अगले एक सप्ताह तक झमाझम वर्षा की कोई संभावना नहीं है। अगस्त के बाद सितंबर में भी फिलहाल अच्छी वर्षा के पूर्वानुमान पर कुछ नहीं कहा जा सकता। मौसम विज्ञानियों का यह भी कहना है कि उत्तर भारत में गर्मी का चरम अब बीत चुका है।

अब नहीं पड़ेगी उतनी गर्मी

आने वाले दिनों में न तो लू चलनी है, न ही तापमान उस स्तर तक पहुंचना है, जहां तक इस सीजन में जा चुका है। इसके विपरीत पश्चिमी हवाओं के असर से मौसम के मिजाज में महसूस किया जा रहा बदलाव बरकारार रह सकता है। उमस अगर थोड़ी बढ़ी भी तो पहले जितनी नहीं होगी। सितंबर के उत्तरार्ध से तापमान भी धीरे-धीरे नीचे आने लगेगा।

एक सप्ताह के दौरान दिल्ली में दर्ज किया गया उमस का स्तर (प्रतिशत में)

तिथि	अधिकतम	न्यूनतम
21 अगस्त	88	53
22 अगस्त	80	63
23 अगस्त	98	75
24 अगस्त	97	64
25 अगस्त	81	55
26 अगस्त	82	51
27 अगस्त	71	52

मौसम में जो बदलाव फिलहाल देखने को मिल रहा है, वह सामान्य तो नहीं ही कहा जा सकता। इससे पहले



2002 में अगस्त के दौरान मानसून इतने लंबे ब्रेक पर रहा था। ऐसे में यह बदलाव अभी बना रह सकता है। हाल फिलहाल इस स्थिति में अधिक परिवर्तन नहीं होगा। -महेश पलावत, उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन), स्काईमेट वेदर।

मौसमी बीमारियां तापमान एवं वातावरण में नमी की मौजूदगी पर निर्भर करती हैं। ऐसे में तापमान और नमी का स्तर घटने- बढ़ने से हर मौसम में बीमारियों का स्वरूप भी बदलता रहता है। उमस अधिक होने पर त्वचा से संबंधित परेशानियां व फंगल संक्रमण की समस्या अधिक होती है। इसके अलावा उमस में ज्यादा पसीना आने से डिहाइड्रेशन की परेशानी भी होती है। मौसम में नमी कम होने पर त्वचा से संबंधित परेशानी एवं फंगल संक्रमण कम हो जाता है। लेकिन यह देखा गया है कि सितंबर व अक्टूबर में मच्छर जनित बीमारियां अधिक होती हैं। -डॉ. जुगल किशोर, निदेशक प्रोफेसर, प्रिवेंटिव कम्युनिटी मेडिसिन, सफदरजंग अस्पताल।

दो दिन में झुगगी खाली करने की धमकी, पोस्टर में लिखा- चले जाओ... नहीं तो मौत का जिम्मेदार खुद होगा

हरियाणा के नूंह में 31 जुलाई को बृजमंडल धाम जलाभिषेक यात्रा पर हमले के बाद गुरुग्राम में झुगियों में आगजनी और तोड़फोड़ की गई थी। अब एक बार फिर से अराजक तत्वों ने दो दिन में झुगियों को खाली करने की धमकी दी है। झुगियों के बाहर लगे पोस्टर में लिखा है कि दो दिनों में झुगियों को खाली कर लोग भाग जाएं।

गुरुग्राम, नूंह में 31 जुलाई को बृजमंडल धाम जलाभिषेक यात्रा पर हमले के बाद गुरुग्राम में झुगियों में आगजनी और तोड़फोड़ की गई थी। एक बार फिर से शहर में अराजक तत्वों ने दहशत फैलाने का काम किया है। बीती रात सेक्टर 69 में झुगियों के बाहर किसी ने पोस्टर लगा दिए।

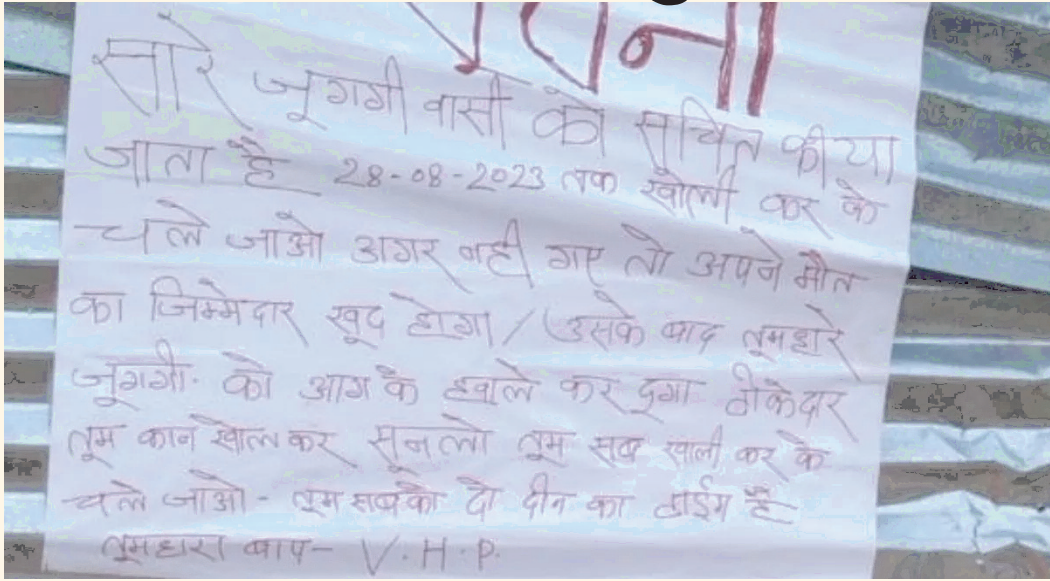
28 अगस्त तक खाली करने को कहा

इसमें खुलेआम दो दिन के भीतर झुगियों को खाली कर भाग जाने की धमकी दी गई है। इसके साथ ही जान से मारने और झुगियों को आग के हवाले करने की बात लिखी है। जानकारी के अनुसार सेक्टर 69 में ट्यूलिप व्हाइट के सामने बनी दो सी झुगियों के बाहर दो पोस्टर लगाए गए। इसमें लिखा है कि 28 अगस्त तक इन झुगियों को खाली कर दिया जाए।

अगर कोई इन झुगियों को खाली नहीं करेगा तो वह अपनी मौत का जिम्मेदार स्वयं होगा। अगर यह झुगियां खाली नहीं हुईं तो झुगियों को आग के हवाले कर दिया जाएगा। दो दिनों में झुगियों को खाली कर लोग भाग जाएं। दूसरे पोस्टर में आपत्तिजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया है। पोस्टर में नीचे विहिप और बजरंग दल के नाम का इस्तेमाल किया गया है।

पोस्टर लगने के बाद यहां के लोग सकते में आ गए हैं और उनके अंदर भय का माहौल हो गया। बताया जाता है कि यहां रहने वाले लोग बंगाल व अन्य राज्यों के हैं। इन्हें हिंदी पढ़नी नहीं आती है। पोस्टर लगने के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई।

वहीं सूचना के बाद बादशाहपुर पुलिस ने यहां पर पहुंचकर वीडियोग्राफी कराई। साथ ही लोगों से किसी से न डरने की बात कही। बादशाहपुर थाना पुलिस ने झुगियों के बाहर पीसीआर वैन और राइडर पुलिस



को 24 घंटे के लिए तैनात कर दिया है। वहीं थाना प्रभारी सतीश देशवाल ने कहा कि यह शरारती तत्वों का काम है। पुलिसकर्मियों ने पोस्टरों को निकालकर सुबूत के तौर पर रख लिया है। जल्द ही पोस्टर लगाने वाले की पहचान की जाएगी।

किसी भी कीमत पर ऐसी दहशत फैलाने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। दो दिनों तक यहां पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

विहिप को बदनाम करने की साजिश

विहिप जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने कहा

कि उनके किसी कार्यकर्ता ने यह पोस्टर नहीं लगाए हैं। विश्व हिंदू परिषद को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। भाईचारे का माहौल बिगाड़ने का प्रयास हो रहा है। प्रशासन ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

जमानत पर छूटते ही हत्यारोपित को चाकू से गोदा, तीन आरोपी मौके से गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में चार साल 11 माह बाद जमानत पर छूटे हत्यारोपित पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना प्रताप विहार में 25 अगस्त की है। सभी ने हत्याआरोपित को पीटना शुरू कर दिया। दो हमलावरों ने चाकू से सनी के सिर पीठ पेट व पैरों पर वार कर उसे गोद दिया। पुलिस ने मौके से तीन आरोपितों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

गाजियाबाद। चार साल 11 माह बाद जमानत पर छूटे हत्यारोपित पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना प्रताप विहार में 25 अगस्त की है। आरोपित जिसकी हत्या के आरोप में गिरफ्तार हुआ था, उसके पिता, भाई समेत 15 लोगों ने डंडे, चाकू, चैन व सरिया से हमला कर दिया।

तीन आरोपी मौके से गिरफ्तार

गनीमत थी कि पुलिस समय से पहुंची और युवक को हमलावरों के घर से मुक्त करा तीन आरोपितों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। प्रताप विहार के देवेंद्र कुमार ने बताया कि उनका साला सन्नी 22 अगस्त को डासना जेल से छूटा था। उसे सितंबर 2018 में विजय नगर में जे ब्लाक के इस्लाम के बेटे सुहेब की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

चाकू से किए कई वार

25 अगस्त को देवेंद्र सनी के साथ अपना ई-रिक्शा ठीक कराने के लिए गए थे। तभी

इस्लाम, उसके बेटे दानिश, मोहम्मद दानिश समेत करीब 15 लोगों ने हमला कर दिया। उन्हें साइड कर सभी ने सनी को पीटना शुरू कर दिया। दो हमलावरों ने चाकू से सनी के सिर, पीठ, पेट व पैरों पर वार कर उसे गोद दिया।

बेहोश होकर वह गिर गया तो इस्लाम उसे उठाकर अपने घर ले जाने लगा। देवेंद्र ने स्वजन और पुलिस को सूचना दी और पुलिस के साथ इस्लाम के घर तक पहुंचे। पुलिस को देख बाकी हमलावर फरार हो गए और इस्लाम, दानिश व मोहम्मद दानिश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसीपी कोतवाली निमिष पाटील ने बताया कि हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर छानबीन कर रहे हैं। पहचान कर बाकी आरोपितों को जल्द गिरफ्तार करेंगे।



तबस्सुम ने इस पर कॉल किया तो कहा कि लकी ड्रॉ में आप ये सारी चीज जीत गई हैं।

'पाकिस्तान से आया है यह बॉक्स...', 16 लाख के गिफ्ट के झांसे में आई महिला, लुटा बैठी मोटी रकम

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में बंपर धमाके में 16 लाख के गिफ्ट जीतने का झांसा देकर जलसाजों ने एक महिला से 43 हजार रुपये उग लिए। साइबर सेल की जांच के बाद थाना वेव सिटी में रिपोर्ट दर्ज की गई है। डासना की तबस्सुम एक अस्पताल में कार्यरत हैं। तबस्सुम ने दो अगस्त को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो देखा जिसमें आइफोन आइपैड डालर एप्पल वाच समेत कई चीजें थीं।

गाजियाबाद। बंपर धमाके में 16 लाख के गिफ्ट जीतने का झांसा देकर जलसाजों ने एक महिला से 43 हजार रुपये उग लिए। साइबर सेल की जांच के बाद थाना वेव सिटी में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

डासना की तबस्सुम एक अस्पताल में कार्यरत हैं। तबस्सुम ने दो अगस्त को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो देखा, जिसमें आइफोन, आइपैड, डालर, एप्पल वाच समेत कई चीजें थीं। इनकी कीमत 16 लख रुपये बताई गई। साथ ही एक नंबर भी दिया गया था।

इस तरह ठगी का हुई शिकार

तबस्सुम ने इस पर कॉल किया तो कहा कि लकी ड्रॉ में आप ये सारी चीज जीत गई हैं। साथ ही एक नंबर दिया गया। इस पर कॉल किया गया तो उगों ने उनका पता पूछकर सामान भिजवाने का झांसा दिया और चार हजार रुपये पेटीएम करा लिए। फिर जीएसटी और एक्ससाइज ड्यूटी के नाम पर रुपये मांगे। इनकार करने पर कहा कि यह बॉक्स पाकिस्तान से आया है। यदि पैसे नहीं दिए तो ये लोग घर से तुन्हें गिरफ्तार कर लेंगे। पीड़िता से अलग-अलग चार्ज व पेट्रोल खर्च के रूम में 39 हजार रुपये और जमा कराए गए। इसके बाद भी पैसों की मांग की जा रही थी।

पाई-पाई के लिए मोहताज



तबस्सुम तबस्सुम का कहना है कि वह नर्सिंग कोर्स के लिए पैसे जोड़ रही थीं और झांसे में

आकर सभी रुपये जालसाजों को दे दिए। उनके एक बच्चे की भी तबीयत खराब है, जिसकी दवा तक के पैसे नहीं हैं। एसीपी

वेव सिटी सलोनी अग्रवाल का कहना है कि केस दर्ज कर लिया है। नंबरों के आधार पर छानबीन कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

संदिग्ध हाल में छात्र को लगी गोली, घर में मौजूद रिश्तेदार फरार; जांच में जुटी पुलिस

गाजियाबाद के डासना में रविवार शाम आठवीं के छात्र को संदिग्ध हालात में गोली लग गई। घटना के वक्त वह अपने कमरे में एक रिश्तेदार के साथ था। गोली लगने के बाद घर में मौजूद रिश्तेदार भी भाग गया। घर में कोई लाइसेंसी असलहा नहीं है। गोली कैसे और किस हथियार से लगी यह उन्हें नहीं पता चल सका है।

गाजियाबाद, जागरण संवाददाता। डासना में रविवार शाम आठवीं के छात्र को संदिग्ध हालात में गोली लग गई। घटना के वक्त वह अपने कमरे में एक रिश्तेदार के साथ था। उसे संजय नगर स्थित जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।

घर में नहीं कोई हथियार

एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि अबरार के बेटे समीर को गोली लगी है। अबरार ने बताया है कि वह बाहर थे। घर पर पत्नी अफसाना और समीर थे। गोली की आवाज के साथ समीर की चीख सुनाई दी तो वह पहले तल पर उसके कमरे की ओर दौड़ा और पड़ोसियों की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया। अबरार के मुताबिक घर में कोई लाइसेंसी असलहा नहीं है। गोली कैसे और किस हथियार से लगी, यह उन्हें नहीं पता। गोली लगने के बाद घर में मौजूद रिश्तेदार भी भाग गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

महिला के साथ किया दुष्कर्म

वहीं गाजियाबाद में नौकरी के बहाने महिला को फ्लैट पर ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि महिला फरीदाबाद की है और वह एक जाब साइट पर आरोपित राजीव नाम के व्यक्ति के संपर्क में आई थी।

राजीव ने नोएडा की एक सोसायटी में घरेलू सहायिका की जाब के बारे में बताया और शनिवार को महिला को बुलाया। आरोपित उन्हें जीएच-सात सोसायटी में अशोक के फ्लैट पर ले गया। आरोप है कि उनके जाते ही अशोक बाहर चला गया और राजीव ने महिला से दुष्कर्म किया। शिकायत करने पर हत्या की धमकी दी और फरार हो गया। एसीपी ने बताया कि अशोक फ्लैट में किराये पर रह रहा था। आरोपित राजीव अपनी कार सोसायटी में छोड़ गया है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपित को तलाश रही है।

महिला सुरक्षाकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म, पिया जहरीला पदार्थ; चार साल की बच्ची से भी दरिंदगी

गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक की एक सोसायटी में रविवार दोपहर सिक्कोरिटी सुपरवाइजर ने दो साथियों संग महिला सुरक्षाकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म किया। इससे आहत पीड़िता ने जहरीला पदार्थ पी लिया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र ने बताया कि पीड़िता के मोसेरे भाई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सिक्कोरिटी सुपरवाइजर अजय को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि महिला ने कौन सा जहरीला पदार्थ पिया है।

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक की एक सोसायटी में रविवार दोपहर सिक्कोरिटी सुपरवाइजर ने दो साथियों संग महिला सुरक्षाकर्मी से सामूहिक दुष्कर्म किया। इससे आहत पीड़िता ने जहरीला पदार्थ पी लिया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र ने बताया कि पीड़िता के मोसेरे भाई की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर सिक्कोरिटी सुपरवाइजर अजय को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि महिला ने कौन सा जहरीला पदार्थ पिया है।

तीन लोगों ने किया दुष्कर्म

पीड़िता झारखंड की है और मौसी के साथ क्षेत्र में ही किराये के मकान में रह रही है। सोसायटी में कुछ समय पहले ही उसने ज्वाइन किया था। पीड़िता के मोसेरे भाई ने दोपहर बाद दो बजे पुलिस को सूचना दी थी कि सोसायटी में उसके साथ तीन लोगों ने बेसमेंट में गलत काम किया है, जिसके बाद उसे सहकर्मियों ने अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़िता की हालत में सुधार होने के बाद उसके बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई करेंगे। अजय से उसके साथियों के बारे पूछताछ कर रहे हैं। पहचान कर इन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

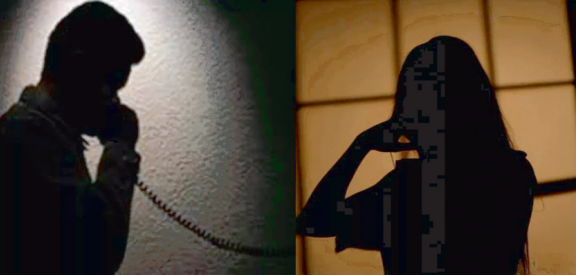
चार साल की बच्ची से दरिंदगी

इसके अलावा गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक की एक सोसायटी में चार साल की बच्ची से दुष्कर्म की घटना सामने आई। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पड़ोस में रहने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। एसीपी वेव सिटी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि बच्ची अपनी मांग के साथ रहती है और पिता बेंगलुरु की एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत हैं।

पेट में दर्द होने पर पता चला

शनिवार को बच्ची के पेट में दर्द हुआ तो उसने बताया कि पड़ोस वाले अंकल ने गलत काम किया है। बच्ची ने बताया कि यार्क में खेलने के दौरान अंकल उसे अकेले में ले जाते हैं और गलत काम करते हैं। आरोपित ऐसा कई बार कर चुका है। महिला के बताने पर रविवार को उनके पति बेंगलुरु से गाजियाबाद पहुंचे और पुलिस को शिकायत दी। एसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित राज कृष्ण है। उससे पूछताछ कर रहे हैं। सोसायटी में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज निकलवा रहे हैं। इससे भी साक्ष्य जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। छानबीन कर आगे की कार्रवाई करेंगे।

जालसाजों ने दो बहनों को बनाया ठगी का शिकार, पीड़ितों ने इस तरह गंवा दिए 50 लाख रुपये



कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र में घर बैठे पार्ट टाइम नौकरी कर लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने दो बहनों से 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़िता की बहन और उसके मंगेतर से भी पैसे लेकर शिकायतकर्ता ने जालसाजों के बैंक खातों में ट्रॉसफर करा दिए। सेक्टर-73 ओटीओ टाउनशिप की शक्ति ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 21 अगस्त को उनके वॉट्सएप नंबर पर एक मैसेज आया।

नोएडा। कोतवाली सेक्टर-113 क्षेत्र में घर बैठे पार्ट टाइम नौकरी कर लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर साइबर जालसाजों ने दो बहनों से 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़िता की बहन और उसके मंगेतर से भी पैसे लेकर शिकायतकर्ता ने जालसाजों के बैंक खातों में ट्रॉसफर करा दिए। सेक्टर-73 ओटीओ टाउनशिप की शक्ति ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 21 अगस्त को उनके वॉट्सएप नंबर पर एक मैसेज आया। जिसमें पार्ट टाइम नौकरी देने का प्रस्ताव मिला। इसके बाद आरोपितों ने उन्हें टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़ लिया। शुरुआत में टास्क देकर लाभ दिया गया।

युवती ने खातों में भेजी राशि

विश्वास होने पर साइबर उगों ने युवती को निवेश करने पर 15 से 38 प्रतिशत तक का शुद्ध लाभ होने का झांसा दिया। झांसे में आकर युवती ने विभिन्न बैंक खातों में धनराशि ट्रॉसफर कर दी। इसके बाद युवती ने अपनी बहन और उसके मंगेतर से भी विभिन्न बैंक खातों में धनराशि ट्रॉसफर करा दी।

लगभग 50 लाख रुपये कराए ट्रॉसफर

इस तरह जालसाजों ने कुल 49 लाख 96 हजार 659 रुपये ट्रॉसफर करा लिए। रुपये वापस मांगने पर आरोपितों ने युवती को टेलीग्राम ग्रुप से निकाल दिया। पीड़िता ने डीसीपी के आदेश पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

1 लाख के कीमत में आने वाली ये इलेक्ट्रिक स्कूटर कितनी खास? रिव्यू से समझें

फीचर्स के लिहाज से देखें तो अंडर सीट यूएसबी चार्जिंग पोर्ट मिलता है। हालांकि मोबाइल फोन को वहां रखकर व्हीकल चालने की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। सामने डिजिटल स्पेडोमीटर मिल जाता है। इस प्राइस रेंज के हिसाब से हम कई कनेक्टेड फीचर की उम्मीद कर रहे थे लेकिन कंपनी ने उसमें थोड़ी कटौती की है।

गोदावरी ने मंगलवार यानी 22 अगस्त को अपनी ऑल न्यू इलेक्ट्रिक स्कूटर Eblue Feo को 1 लाख की कीमत में लॉन्च किया है। इस प्राइस रेंज में भारतीय बाजार में कई इलेक्ट्रिक स्कूटर्स मौजूद हैं। ऐसे मन में सवाल उठता है क्या 1 लाख में आने वाली ये इलेक्ट्रिक स्कूटर फायदे का सौदा हो सकती हैं। तो उसका जवाब आपको मैं अपने फर्स्ट इंप्रेशन से देना चाहते हैं। इस डिटेल्ड फर्स्ट लुक रिव्यू में आपको इस ईवी से जुड़ी सभी जरूरी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं। वहीं मुझे दिखने में ये कैसी लगी अपना ऑपिनियन भी दूंगा।

कितना है बुट स्पेस ?
बुट स्पेस के मामले में इसमें आपको थोड़ी कमी खलेगी, लेकिन इस कमी को दूर करने के लिए कंपनी ने भरसक प्रयास किया है। आगे ड्राइवर सीट के सामने आपको दो बॉक्स मिल जाएंगे, जिसमें आप मोबाइल फोन, वॉटर बॉटल समेत कई चीजें कैरी कर सकते हैं। वहीं फ्लोर बोर्ड के उपर एक हुक दिया गया है, जिसमें आपको बैग वगैरह टांग सकते हैं। अंडर सीट आपको हेलमेट रखने की व्यवस्था नहीं है, कंपनी को थोड़ा इसपर काम करने की जरूरत है। सीट के नीचे डिअटैचबल बैटरी होने का कारण जरा सा भी स्पेस नहीं मिलता है। आगे के फ्लोर को इस तरह से डिजाइन किया

गया है कि आप इस पर गैस सिलेंडर, 20 लीटर का वाटर केन कैरी कर सकते हैं।

फीचर्स
फीचर्स के लिहाज से देखें तो अंडर सीट यूएसबी चार्जिंग पोर्ट मिलता है। हालांकि, मोबाइल फोन को वहां रखकर व्हीकल चालने की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। सामने डिजिटल स्पेडोमीटर मिल जाता है। इस प्राइस रेंज के हिसाब से हम कई कनेक्टेड फीचर की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन कंपनी ने उसमें थोड़ी कटौती की है। डिजिटल स्पेडोमीटर में आपको साइड स्टैंड सेंसर, पार्किंग स्ट्रेड, इंजन किल ऑफ, 3 राइडिंग मोड, बैटरी हेल्थ परसेंट मिल जाता है। हालांकि, अगर इसमें कितना रेंज बचा है ये बताने वाला फीचर जुड़ा होता तो ग्राहकों को रेंज एन्जॉयटी कम फिल होता।

बैटरी पैक और रेंज
इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में आपको 2.52 किलो वॉट की बैटरी मिल जाएगी, जो कंपनी के दावे के मुताबिक 110 किलोमीटर की रेंज देने में सक्षम है। इसमें पावर देने के लिए 2.75 किलोवॉट का मोटर लगा हुआ है, जो 110 एनएम की पीक टॉर्क जेनरेट करती है। अगर आप इसे 0-100 तक चार्ज करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको 5 घंटे 25 मिनट तक का इंतजार करना पड़ेगा। इसके बैटरी को चार्ज करने के लिए आपके पास दो ऑप्शन मिलेंगे, पहला आप बैटरी को निकाल कर घर पर चार्ज कर सकते हैं। वहीं दूसरा 15 एंपीयर के चार्जर से आप इसको सीधे घर पर चार्ज कर सकते हैं।

लुक और डिजाइन
दिखने में ये इलेक्ट्रिक स्कूटर आपको क्लासिकल स्कूटर की याद दिलाएगा, इसके साइड फुटपैग स्टाइलिश है। फ्रंट में एलईडी हेडलैप और रियर टेललैप भी आपको



एलईडी में मिल जाएगा। वहीं साइड इंडिकेटर हाइलोजन के मिल जाते हैं। कंपनी इसमें 5 कलर ऑप्शन ऑफर करती है।

टायर और ब्रेकिंग सिस्टम
फ्रंट और रियर में 12 इंच के अलॉय व्हील मिलते हैं, जिसमें दोनों ओर सिंगल डिस्क ब्रेक मिलता है। बेहतरीन ब्रेकिंग के लिए इसमें CBS का इस्तेमाल किया गया है। टॉप

स्पीड की बात करें तो ये इलेक्ट्रिक स्कूटर 60 किमी की टॉप स्पीड देती हैं, जो अपने राइवल ओला एस 1एक्स प्लस से काफी कम है।

राइवल्स
1 लाख के प्राइस रेंज में हीरो ऑप्टिमा, जिमोपाई राइडर मैक्स इलेक्ट्रिक स्कूटर, एम्पीयर जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर

आती हैं। वहीं ओला ने हाल ही में 1 लाख रुपये की कीमत में ओला एस 1एक्स प्लस को लॉन्च किया है। ऐसे में ग्राहक के पास इस प्राइस रेंज में ओला बैजिंग के साथ अधिक स्पीड, बैटरी और रेंज पाने का मौका मिलता है। वहीं अगर आप एक बेहतरीन फीचर लोडेड इलेक्ट्रिक स्कूटर लेना चाहते हैं तो आपको मात्र 10-20 हजार रुपये और लगाने होंगे, जहां Vida, ATher 450s जैसे प्रीमियम स्कूटर मिल जाती है।

अलग-अलग रंग के क्यों होते हैं नंबर प्लेट? जानिए इसका असल मतलब

निजी वाहन	व्यावसायिक वाहन
राजनयिक वाहन	रेंटल वाहन
निजी इलेक्ट्रिक वाहन	सैन्य वाहन
राष्ट्रपति व राज्यपाल का वाहन	व्यावसायिक इलेक्ट्रिक वाहन

सड़कों पर कई रंगों के नंबर प्लेट वाली गाड़ियां तो देखी ही होंगी क्या आपको पता इन नंबर प्लेट के रंग की अपनी-अपनी मिनिंग होती हैं? इस खबर में आपको बताने जा रहे हैं भारत में कितने रंग की नंबर प्लेट वाली गाड़ियां चलती हैं और उसका क्या अर्थ होता है ताकि जब भी आप सड़कों पर इन गाड़ियों तो देखें तो तुरंत इसके उपयोग की पहचान कर सकें।

प्रत्येक गाड़ी की एक खासतौर पर पहचान होती है। उसकी पहचान नंबर प्लेट से होती है। लाइसेंस/पंजीकरण को नंबर प्लेट के रूप में जाना जाता है, यह किसी वाहन की सबसे महत्वपूर्ण पहचान संपत्ति है, चाहे वह यात्री वाहन हो, दोपहिया, तिपहिया या कॉर्म्मर्सियल वाहन हो। इसके अलावा नंबर प्लेट कई रंगों के आते हैं, जिनकी पहचान अलग-अलग ढंग से होती है। इसलिए इस खबर के माध्यम से आपको टाइप ऑफ नंबर प्लेट्स के बारे में बताने जा रहे हैं।

ब्लैक नंबर प्लेट
ये वाहन कमर्शियल वाहनों के रूप में पंजीकृत होते हैं। हालांकि, ब्लैक नंबर प्लेट वाली कार चलाने के लिए किसी कमर्शियल व्हीकल ड्राइविंग लाइसेंस की जरूरत नहीं होती है। आमतौर पर ये नंबर प्लेट आपको किराये की गाड़ियों और लग्जरी होटल ट्रांसपोर्ट वाहनों पर मिल जाती हैं।

सफेद नंबर प्लेट
जब कोई वाहन को सफेद रंग की नंबर दी जाती है तो उसका मतलब ये होता है उस गाड़ी का प्रयोग केवल प्राइवेट या निजी इस्तेमाल के लिए किया जाएगा।

रेड नंबर प्लेट
जब भी सड़कों पर लाल रंग के नंबर प्लेट को देखें तब समझ जाए की इस गाड़ी को हाल ही में खरीदा गया है। लाल रंग के नंबर प्लेट का मतलब होता है कि इस गाड़ी को अभी केवल टंपरेरी नंबर प्लेट मिला है।

ग्रीन नंबर प्लेट
हरे रंग का नंबर प्लेट जब आप देखें तो समझ जाएं की ये गाड़ी इलेक्ट्रिक से चलने वाली गाड़ी है। भारत में रजिस्टर्ड सभी इलेक्ट्रिक वाहनों पर हरे रंग की लाइसेंस प्लेट अनिवार्य है।

पीला नंबर प्लेट
पीले नंबर प्लेट वाली गाड़ियों का इस्तेमाल केवल ऑटो रिक्शा, टैक्सी, ट्रक और बसों के लिए किया जाता है। इसका मतलब ये है कि किसी भी कमर्शियल यूज के लिए पीले नंबर प्लेट का उपयोग होता है।

नीला नंबर प्लेट
विदेशी डिप्लोमेट्स के लिए आरक्षित वाहन पर सफेद अक्षरों वाली नीली नंबर प्लेट होती है। नीले रंग की नंबर प्लेट में सीसी (कांसुलर कोर), यूएन (संयुक्त राष्ट्र), डीसी (डिप्लोमैटिक कॉर्प्स) आदि जैसे अक्षर होते हैं। साथ ही इन नंबर प्लेटों में राज्य कोड नहीं होता है। इसके बजाय, उन डिप्लोमेट्स का देश कोड डेस्प्ले करते हैं।

Ather 450S और 450X इलेक्ट्रिक स्कूटर भारत में हुए लॉन्च, जानें कीमत, रेंज और फीचर्स

Ather launches three new 450 E scooters पहले की तरह इसमें एलईडी हेडलाइट और हैंडलबार काउल पर लगे टर्न इंडिकेटर्स मिलेगा। यहां तक कि इसकी बॉडीवर्क भी नए 450S और 450X के समान ही कॉम्पैक्ट है। हालांकि साइड लुक में थोड़े बदलाव को देखकर आप बदलाव देख सकते हैं। जो काफी अक्रामक अपील देती है। आइये इन तीनों वेरिएंट के कीमतों के बारे में जानते हैं।

एथर एनजी ने अपने लाइनअप में एक नहीं बल्कि तीन नए स्कूटर का अनावरण किया है, जिसे एक 450S और दो 450X के वेरिएंट शामिल हैं। हालांकि नाम अभी भी पहले जैसा है, लेकिन बैटरी पैक और फीचर्स में आपको फर्क दिखेगा। एक तरफ X अब अलग-अलग बैटरी और सुविधाओं के साथ दो वेरिएंट में उपलब्ध है। दूसरी ओर 450S एथर की सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर के रूप में आई है। आइए एथर 450 की तीनों मॉडल्स पर एक नजर डालें।
Ather लाइन अप में क्या हुआ बदलाव ?
नए बदलाव में पहले जैसी डिजाइन और लुक आपको देखने को मिलेगा। पहले की तरह

इसमें एलईडी हेडलाइट और हैंडलबार काउल पर लगे टर्न इंडिकेटर्स मिलेगा। यहां तक कि इसकी बॉडीवर्क भी नए 450S और 450X के समान ही कॉम्पैक्ट है। हालांकि साइड लुक में थोड़े बदलाव को देखकर आप बदलाव देख सकते हैं। जो काफी अक्रामक अपील देती है।
Ather 450 के तीनों वेरिएंट में क्या है अंतर ?
बैटरी पैक और रेंज में आप भिन्नता पाएंगे। एथर ने 450S को 5.4kW (पीक पावर) मोटर से जुड़ी 2.9kWh बैटरी से लैस किया है। इसमें मैक्सिमम 115 किमी की रेंज और 90 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड (तीनों मॉडल के लिए समान) मिलती है। Ather 450S को दो बैटरी विकल्प मिलते हैं, जिसमें 2.9kWh और 3.7kWh शामिल हैं। छोटी बैटरी 111 किमी की रेंज देने का दावा करती है और बड़ी यूनिट 150 किमी की रेंज देती है। हालांकि, दोनों केवल 6.4kW मोटर द्वारा संचालित हैं।
कितना लगेगा चार्जिंग टाइम ?
450S और 450X (2.9kWh) के लिए चार्जिंग समय आठ घंटे और 36 मिनट है जबकि 450X (3.7kWh) के लिए चार्जिंग समय पांच घंटे और 45 मिनट है।
Ather 450 प्राइस लिस्ट ?
एथर 450S की कीमत की बात करें तो इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1,29,999 से शुरू है जबकि 450X (2.9kWh) और 450X (3.7kWh) की कीमत क्रमशः 1,38,000 और 1,44,921 (सभी एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) है।



चीन का 40 साल पुराना आर्थिक मॉडल चरमराने से दुनियाभर के कम्युनिस्टों ने अपने होंठ सिल लिये हैं



नीरज कुमार दुबे

चीनी अर्थव्यवस्था के आंकड़े दर्शा रहे हैं कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था गहरे संकट का सामना कर रही है। चीन के 40 साल के सफल वृद्धि मॉडल को चरमराते देख वैश्विक अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चीन बहुत धीमी वृद्धि के युग में प्रवेश कर रहा है। चीन को अपने सफल आर्थिक मॉडल पर बड़ा गिरावूँ या इसके अलावा दुनिया में मॉडल थोड़े-बहुत कम्युनिस्ट बचे हैं वह भी चीन का उदाहरण देकर कम्युनिस्टों की आर्थिक नीतियों की सलाहना किन करतये हैं। लेकिन चीन का आर्थिक मॉडल ढहने की स्थिति में आते ही दुनिया भर के कम्युनिस्टों ने चुप्पी साध ली है। दूसरी ओर चीन अपनी अर्थव्यवस्था को ढहने से बचाने के लिए उसकी मरम्मत के जो भी उपाय कर रहा है वह विफल हो जा रहे हैं जिससे दुनिया भर के आर्थिक विशेषज्ञ भी हैरत में हैं। दरअसल अपनी मजबूत अर्थव्यवस्था के चलते ही चीन का पूर्ण दुनिया में दबदबा था लेकिन अब चीन की मजबूती का आधार ही बनने की स्थिति में नहीं नजर आ रहा है जिससे उसके भविष्य पर संकट मंडराता दिख रहा है। चीनी अर्थव्यवस्था के आंकड़े दर्शा रहे हैं कि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था गहरे संकट का सामना कर रही है। चीन के 40 साल के सफल वृद्धि मॉडल को चरमराते देख वैश्विक अर्थशास्त्रियों का मानना है कि चीन बहुत धीमी वृद्धि के युग में प्रवेश कर रहा है। विश्वसनीयता का मानना है कि प्रतिकूल जनसांख्यिकी और अमेरिका तथा उसके सहयोगियों के साथ चीन की बढ़ती दूरियों से इस देश की आर्थिक स्थिति और खराब हो गई है। बताया जा रहा है कि चीन में विदेशी निवेश और व्यापार में लगातार तेज गिरावट आने से चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग दिन भर अपने कार्यालय में माथा पकड़ कर बैठे रहते हैं। जिनपिंग आर्थिक विशेषज्ञों की इस भविष्यवाणी से भी परेशान बताया जा रहे हैं जिसमें कहा गया है कि चीन में आर्थिक कमजोरी का यह दौर अस्थायी नहीं है बल्कि इसका लंबे समय तक असर देखने को मिलेगा। आर्थिक विशेषज्ञों का तो यहां तक मानना है कि चीन की अर्थव्यवस्था जिस तरह रसातल में जा रही है वह आर्थिक इतिहास की सबसे बड़ी घटना होना जा रही है। बैंक फॉर इंटरनेशनल सेलेमैंट्स के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि चीन



सरकार व सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियों के विभिन्न स्तरों के कर्जों सहित कुल ऋण 2022 तक चीन के सकल घरेलू उत्पाद का करीब 300 प्रतिशत हो गया था, जो अमेरिकी स्तर को पार कर गया। हम आपको बता दें कि यह अनुपात 2012 में 200 प्रतिशत से भी कम था। यही नहीं, खुद चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो (एनबीएस) ने जून महीने में कहा था कि चीन का सकल घरेलू उत्पाद 2023 की पहली छमाही (एच1) में सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़ा। पहली छमाही में चीन की जीडीपी 59,300 अरब युआन रही। आंकड़े दर्शाते हैं कि महामारी के बाद पहली तिमाही में तेज शुरुआत के बाद चीन की अर्थव्यवस्था में रिकवरी धीमी हो गई है क्योंकि चीनी उत्पादों की देश और विदेश में बाजार कमजोर हो गई है और अर्थव्यवस्था को समर्थन देने वाली चीन सरकार की नीतियाँ आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में विफल रही हैं।

चीन के हालात पर गौर करें तो एक चीज जो सबसे पहले स्पष्ट रूप से उभर कर आती है वह यह है कि कोरोना वायरस के जनक चीन ने ही कोविड महामारी का देश भी सबसे ज्यादा झेला लेकिन उसने यह बात कभी स्वीकारी नहीं। अब जब चीन में कोरोना के सफल प्रतिबंध हट

तो लोग पहले जैसा जीवन जीना चाहते हैं लेकिन आर्थिक संकट उन्हें ऐसा नहीं करने दे रहा। चीनी मीडिया की खबरों के अनुसार लोग अब खर्च की बजाय बचत पर ज्यादा जोर दे रहे हैं क्योंकि लोगों को लगता है कि कठिन समय के लिए पैसा बचा कर रखना बेहद जरूरी है। वैश्विक मीडिया रिपोर्टों को भी देखेंगे तो पता चला है कि लोग आगे किसी अप्रत्याशित बीमारी आने पर ईलाज के लिए पैसे बचा रहे हैं या अगर नौकरी चली जाये तो अगली नौकरी मिलने तक के खर्च चलाने के लिए पैसा बचा रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि चीन का राजगार बाजार बेहद कमजोर बताया जा रहा है। वहां युवा बेरोजगारी 21% से ऊपर की रिकॉर्ड ऊँचाई पर है। बेरोजगारी और नौकरी खोने के डर के चलते चीनी नागरिक बच्चे पैदा करने से बच रहे हैं। यह स्थिति तब है जब चीन की आबादी बूढ़ी हो रही है और जनसंख्या सांकेतिक रही है। चीन सरकार हालांकि बाजार में मांग को बढ़ा देने के लिए कई उपाय कर रही है जिनमें कार और घरेलू उपकरणों पर सब्सिडी, रेस्तरां के खुलने का समय बढ़ाया और पर्यटन और मनोरंजन गतिविधियों को बढ़ावा देना शामिल है। लेकिन इसका कोई असर नहीं हो रहा है। उद्योग जागत ने

भी सरकार के प्रयासों को नाकामी बताया है। अर्थशास्त्रियों का यह भी कहना है कि चीन इस समय अफ़लेशन यानि अपसर्पणीक चिा सामना कर रहा है। अपसर्पणीक का मतलब यह है कि लोगों के पास पैसा भले है लेकिन वह उत्पाद नहीं ख़रीद रहे, लोग उत्पाद नहीं ख़रीद रहे तो उनकी मोतमें कम हो रही है, फैक्ट्रियों उनका उत्पादन घटा रही है और रोज़गार के अवसरों को कम कर रही हैं। देखा जाये तो यह स्थिति ज़्यादा दिन चली तो चीन की अर्थव्यवस्था का तबाह होना निश्चित है। आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन के फैक्ट्री-गेद कीमतों में जुलाई में गिरावट आई, क्योंकि चीनी अर्थव्यवस्था बाज़ार में मांग को बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रही है। अगस्त माह के आंकड़े भी जब आयेगे तो वह जुलाई से खराब ही होंगे। जुलाई माह में चीन के निर्यात और आयात दोनों में गिरावट देखी गई थी और आस्त में भी यही हाल रहेगा। इसके अलावा, चीन का रियल एस्टेट सेक्टर और बैंकिंग क्षेत्र भी तामात तरह के नीतियों से जूझ रहा है। कम बैंक ब्याज दरों के बावजूद, रूचिंत उपभोक्ता और कंपनियों पैसा खर्च करने या निवेश करने की बजाय नकदी को जमा करने पर तर्जौह दे रहे हैं।

बरहाल, चीन के पश्चिमी देशों से टकराव और उसकी विस्तारवादी नीतियों के चलते तो आर्थिक शीत युद्ध चल रहा है उसका ख़ाफ़ियाज़ भी चीन को उठाना पड़ रहा है। चीन में विदेशी निवेश लगभग बंद हो चुका है और कई बड़ी कंपनियां चीन को छोड़ चुकी हैं। इसके अलावा चीन जैसे कम मेहनताने वाले श्रमिक और बेहतर तकनीक अब कई एशियाई देशों में उपलब्ध है इसलिए बाहरी उद्योग अब चीन को छोड़ रहे हैं। इसके अलावा, चीन ने बहुत से देशों के संसाधनों पर कब्ज़ की नीयत से उन्हें जो भारी कर्ज दिया था उसकी भरपाई कहीं से नहीं हो पा रही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षी बीआरओई परियोजना पर अब तक अरबों डॉलर खर्च हो चुके हैं। लेकिन यह योजना भी विफल होती नज़र आ रही है। कुल मिलाकर चीन का आर्थिक भविष्य अंधकारमय नज़र आ रहा है जिसका बड़ा असर उसकी विस्तारवादी नीतियों पर पड़ सकता है। देखना होगा कि क्या चीन भी पाकिस्तान की राह पर चलते हुए ख़राब आर्थिक संकट के बावजूद पड़ोसियों से झगड़ा बढ़ाने को ही संदीयता देता है या मिलकर रहने को तर्जौह देता है।

अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की मांग को पूरा करने के लिए, एक निर्जन द्वीप बंगाराम के रिसॉर्ट्स में शराब परोसी जाती है। प्रशासन ने द्वीप पर बनने वाले नए पांच सितारा होटलों में शराब की अनुमति देने का प्रावधान किया है। ड्राफ्ट बिल में एक्ससाइज कमिश्नर की पोस्टिंग का प्रस्ताव है। विपक्षी दल वोट बैंक को पाने के लिए कोई भी मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहते।

शराबक सके लिए उन्हें बेदभाव, धर्म-
जाति और अन्य ऐसे ही मुद्दों का सहारा
क्यों ना लेना पड़े। विपक्षी दलों की
इसी छद्म नीति को भारतीय जनता पार्टी
उजागर करती रही है। केंद्र शासित
लक्षद्वीप में विपक्षी दलों का यही चेहरा
सामने आया है। विपक्षी दल इस प्रदेश
में शराबबंदी हटाने के प्रस्ताव का
विरोध कर रहे हैं। विपक्षी दलों का यह
विरोध अल्पसंख्यक वोट बैंक को
प्रशानने के लिए है। जबकि लक्षद्वीप
प्रशासन पर्यटकों की सुविधा और मांग
के मद्देनजर इस प्रदेश में शराबबंदी
हटाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा
है। लक्षद्वीप प्रशासन के एस मंसोदर
उत्पाद शुल्क विनियमन विधेयक
प्रकाशित किया है और द्वीपसमूह में
शराब की बिक्री और खपत की
अनुमति देने पर स्थानीय निवासियों से
सुझाव मांगे हैं। कांय्रेस, एनसीपी और
अन्य विपक्षी दल इस प्रस्ताव के विरोध
पर आमदा हैं। विपक्षी दलों की दलील
है कि लक्षद्वीप की 97 प्रतिशत आबादी
मुस्लिम है जो मानते हैं कि शराब का
सेवन उनकी संस्कृति और धार्मिक
परंपरा के खिलाफ है। सेन 1979 में
द्वीपों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध
लगा दिया गया था।

गौरलाल है कि विपक्षी एकता
 इंडिया के प्रमुख घटक समाजवादी
 पार्टी और उसके समर्थित मुस्लिम
 संगठनों ने मथुरा में शराब और मांस
 की बिक्री प्रतिबंधित करने के योगीश्वर
 सरकार के निर्णय का विरोध किया
 था। योगी सरकार के इस फैसले के
 खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में
 एक मुस्लिम सामाजिक कार्यकर्ता ने
 शाहिदा याचिका दायर की थी।
 हाईकोर्ट ने मथुरा-वृंदावन के 22
 वार्डों में प्रदेश सरकार द्वारा शराब व

मांस की बिक्री पर रोक लगाने के खिलाफ दाखिल जनहित याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिका खारिज कर कहा था कि, भारत विविधताओं का देश है। अगर देश में एकता बनाए रखना है तो सभी समुदायों और धर्मों का समादर बहुत जरूरी है। हमारे देश में विविधताओं के बावजूद एकता यहां की खूबसूरती है।

जुलै २०१६ में बिहार में शराब पर प्रतिबन्ध लगाने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की वकालत की थी, जिस पर सत्तारूढ़ समाजवादी पार्टी ने तुरंत आलोचना की। समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर राज्य के खिलाफ नकारात्मक टिप्पणियाँ करके और इस तरह रसांदादयिक ताकत को मजबूत करने का आरोप लगाया था। समाजवादी पार्टी की दलील थी कि सरकार के खिलाफ उनकी टिप्पणियों से सांसादीदयिक ताकतों को बढ़ावा मिलेगा, जिनके खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार लड़ रही है। यह अलग बात है कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर एक-दूसरे को गरियाने के बावजूद दोनों ही दल अब जोर-शोर से विपक्ष एकता की कवायद में जुटे हुए हैं। छद्म धर्मनिरपेक्षता का आलम यह है कि इसमें राजनीतिक दल ही नहीं अभिनेता भी पीछे नहीं हैं। लक्षदीप के कट्टरपंथी मुखलाभाओं ने 'आनारकली' की शूटिंग नहीं होने दी, पर अभिनेता पृथ्वीराज के लिए 'वह सब काग था। लक्षदीप के 'बहुसंख्यकों' के बचाने में शराब की दुकानें खोले जाने के विरोध में मलयाली अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन भी सामने आए हैं, जिन्हें खुद इसी द्वीप के कट्टरपंथियों द्वारा अपनी ही फिल्म 'आनारकली' के शूटिंग के पीछे काफी विरोध का सामना करना पड़ा था। निश्चित तौर पर मद्यपान के नुकसान सर्वविध और लोकनिक प्रतिक्रिया धर्म और संस्कृति के आधार पर वोट की खातिर इस मुद्दे का समर्थन या विरोध करना विपक्षी दलों की असलियत को उजागर करता है।

राय

संसद में सियासी जमाखोरी

इस अविश्वासवने संसद की भाषा और सदन की मर्यादा को अवश्य ही जनता के सामने बेनकाब कर दिया। जिससे हमारे लोक जगत की मर्दता कहते-कहते भारत को पारंगत करते थे, वही अविश्वास प्रस्ताव ने कुछ तो स्तर और सांसारि गिरा दिया। संसदीय प्रथा के इतिहास में क्रिकेट के चौके-छक्के मारने का सकाराी पक्ष नाउ कर सकता है। उस उपा नरबाजी का अर्थांदन कर सिंसे प्रधानमंत्री स्वयं आहुत करते रहे। संसद के भीतर जिससी नकरतो के इतने पल तो रहे हैं कि अगर देश चारित्रिक या नैतिकता के हिसाब से दूबना चाहे, तो तसल्ली से दूब सकता है। क्या यह राष्ट्रीय मंचन था या राष्ट्रीय मंथन, जहां देश का फटेबली अपने आवरण को रिल पार पाया बहस किसी द्रौपदी को दरबार में दूंद रही थी। वहां मुगालते थे, मुचुरके भी थे, लेकिन कोई निर्दोष यावित नहीं हो पाया। अभी तक मणिपुर को मणिपुर में सिसक रहा था, लेकिन नरने ने लोकतंत्र की छत के नीचे उठे बिलखते देखा, तो मंजर इनका भी था, उनका भी कसूर था। वहां किसने देखा कि बाहर टमाटर की गोमरत से हर मतदाता के गाल लाल हो चुके हैं। वहां किसने गौर किया कि देश में पढने के गुनाह से पीडित्स बेरोजगार हो गईं। हम यह तो न देखना चाहते थे और न ही सुनना कि हमारे नेतृत्व की शान में शब्द बेशर्मा और संदर्भ निर्लज्ज हो जाएं। वैसे देश का सबसे बड़ा संदर्भ क्या चुनना मान लिया जाए और अगर ऐसा ही है, तो जरूर बहस संता पजत गया। वहां मुनादी हो गई और राजनीति की जमाखोरी भी हमारी नजरों के सामने, लोकतंत्र के चौरहरण के बीच हमें चुनाने के नजारे दिखती रही। हमें मालूम हो गया कि देश की सबसे बड़ी जरूरत चुनाव है और यह साबित भी हो गया कि अब सकार ही चुनाव है। सरकारी ज्व भी बोलती है तो चुनाव बोलती है। आखिर किस चुनाव को सत्य मानें। वह जो हमारे जैसे मतदाताओं के भ्रम बढा देता है या हमें भ्रम में रहना सिखा देता है। हम संसद के लिए मकड़ी हो जाएं या सखी देह। बहस के मकडजाल में घिनौना सब्र कार जाएं। हम भारतीय कर भी क्या सकते, यहां तो भारत किसी के हिस्से में आ रहा है और 'इंडिया' परेशान दिखाई दे रहा है। हमने आजादी को जिन निगाहों से देखा, आज देश की यह समझ नहीं पा रहा कि चुनाव में निजात पाएं भी तो किससे। जो यहां है, कल वहां होगा और जो वहां होगा उन्हे निजात पाना जाने की व्यवस्था हो गई। आखिर कब तक हम अतीत के कूडेदान को संसद के बचाव में काम आते देखेंगे और कब एक ही भाषण और एक ही मुदे का रिपीट टेलिकास्ट देखते रह जायेंगे। अविश्वास प्रस्ताव एक फेरी लगो गया और संसद में कोई देश के एक से चालीस करोड़ लोगों की खरीददारी में लगा गया। वहां बहरमाने में पक्ष और न विपक्ष, बल्कि देश की लोकातांत्रिक परंपराएं बिक रही थीं। मीडिया भी इस खरीददारी में यही देखता रहा कि क्या उसका 'स्वामी' बहुत कुछ खरीदकर जीत गया। यह जो अगर मीडिया को मुबारक लगती है, तो लोकतंत्र के इस स्तंभ के घुटने टूट चुके हैं और रीढ़ को वफादारी ने खरीद लिया है। आखिर आम जनता को अगर संसद की अविश्वास फिक्म पढने नहीं आए, तो वह इस शिकायत को अपना भाग्य मान ले, क्योंकि इससे बेवतार होकर की उम्मीद में देश की परिस्थितियां दिखाई नहीं दे रहीं। क्या संसद से बड़े प्रश्न और मजमून अब सडक पर आएं और अगर ऐसा होता है, तो जनता का मत ही बताएगा कि किसका विश्वास-किसका अविश्वास है उठे।

योगेंद्र योगी

चीन और ईरान सहित कई देश
इसके उदाहरण हैं, जहां हर साल
बड़ी संख्या में मृत्युदंड दिया जाता
है। इसके बावजूद इन देशों में
अपराध नहीं थम रहे हैं। चाहे चीन
हो या भारत, अपराधों की जड़
कहीं ओर है और निदान कहीं
और ढूँढ़ा जा रहा है।

केन्द्र सरकार ने संसद में भारतीय दंड विधान को बदलने और उसमें आमूल-मूल परिवर्तन वाले लाने वाले विधेयकों को पेश किया है। सरकार ने तीनों संसिताओं- भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), अपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (आईईए) में बदलाव का मसौदा रखा है और सभी नए कानूनों को इनसे बदला जाएगा। सवाल यह है कि क्या सिर्फ कानून बदलने से अपराध को हालात बदल जाएंगे। निर्भया केस इसका उदाहरण है। उस मामले के बाद कानून कठोर कर दिया गया। पोक्सो एक्ट लाया गया। दुष्कर्म और हत्या के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया। फिर भी देश में ऐसे जघन्य अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है। चीन और ईरान सहित कई देश इसके उदाहरण हैं, जहां हर साल बड़ी संख्या में मृत्युदंड दिया जाता है। इसके बावजूद इन देशों में अपराध नहीं थम रहे हैं। चाहे चीन या भारत, अपराधों की जड़ कहीं और है और निदान कहीं और ढूंढा जा रहा है।

वर्ष 2022 में दुनिया में 883 लोगों को मौत की सजा दी गई जो 2021 से 53 फीसदी ज्यादा है और पांच साल में सबसे अधिक है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान और सऊदी अरब में मौत की सजाओं में हुई बड़ी वृद्धि के चलते खासतौर पर एशिया में मौत की सजा में इतनी अधिक बढ़ोतरी देखी गई है। निर्भया दुष्कर्म और हत्या प्रकरण के बावजूद देश में दुष्कर्म और हत्या की वारदातों में कमी नहीं आई। नेशनल क्राइम रिकार्डिंग ब्यूरो की रिपोर्ट मुताबिक, देश में राजधानी औसतन 86 रैप के मामले दर्ज हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, साल 2021 में बालिंग महिलाओं के साथ बलात्कार के कुल 28 हजार 644 मामले दर्ज हुए तो वहीं नाबालिगों के साथ 36 हजार 069 घटनाएं हुईं। पिछले 5 साल के आंकड़ों की तुलना में नाबालिग महिलाओं के साथ बलात्कार के मामलों का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। कानून में कितने ही संशोधन हो जाएं, जब तक जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी, अपराधों पर अंकश नहीं लग सकेगा। गंभीर अपराधिक



आरोंपों का सामना कर रहे नेताओं का राजनीति से बहिष्कार नहीं होगा, तब देश में अपराधों सुबुधार को दिशा में किए गए तमाम प्रयासों बेबनामी साबित होंगे। देश में वर्तमान में कुल 4001 विधायक हैं, जिसमें से 1,777 यानी 44 फीसदी नेता हत्या, बलात्कार, अदहरण जैसे अपराधों में लिप्त रहे हैं। वहीं वर्तमान में 40 फीसदी कसबा में भी 43 फीसदी सांसद अपराधियों मामलों में घिरे हैं। करीब 23 साल पहले वह 2004 में यही संख्या 22 फीसदी थी, जो कि अब दोगुनी हो गई है। यह बात किसी से छिपे नहीं है कि हमारी कानून प्रणाली गरीब और हाशिए पर मौजूद लोगों को लेकर पक्षपाती है। हालात यह हैं कि गरीब और पिछड़ों को अमीरों की तुलना में मुकाबले ज्यादा कड़ी सजा मिलती है। अपराध को रोकने के लिए जो सर्वाधिकार बुनियादी चीज है वह है बुनियादी सुविधाएँ। जब तक आम लोगों को बुनियादी सुविधाएँ नहीं मिलेगी तब तक अपराधों पर लगाना लगाना बहुत मुश्किल है।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने लोकमिशन की मदद से पिछले 15 सालों में मौजूद



वर्ष 2022 में दुनिया में 883 लोगों को मौत की सजा दी गई जो 2021 से 53 फीसदी ज्यादा है और पांच साल में सबसे अधिक है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान और सऊदी अरब में मौत की सजाओं में हुई बड़ी वृद्धि के चलते खासतौर पर एशिया में मौत की सजा में इतनी अधिक बढ़ोतरी देखी गई है। निर्भया दुष्कर्म और हत्या प्रकरण के बावजूद देश में दुष्कर्म और हत्या की वारदातों में कमी नहीं आई।

की सजा पाए 373 दोषियों के इंटरव्यू के डेटा को स्टडी किया गया। जिसमें पाया गया कि इनमें तीन चौथाई पिछड़ी जातियों और धार्मिक अल्पसंख्यक वर्गों से थे। 75 फीसद लोग आर्थिक रूप से कमजोर तबके से थे गरीब, दलित और पिछड़ी जातियों के लोग। हमारी अदालतों से कठोर सजा इस दिल मिलती है, क्योंकि वे अपना केस लड़ने के लिए काबिल वकील नहीं कर पाते। आतंक से

जुड़े मामलों के लिए सजा पाने वालों में 93 प्रतिशत लोग दलित और धार्मिक अल्पसंख्यक हैं। इसके विपरीत देश के बांग्लैडेश गैंगेस्टर दर्जनो मुकदमे दर्ज होने के बावजूद भी वे अदालत से छूट जाते हैं। जब तक पूर्ण प्रक्रिया में सुधार नहीं होगा तब तक अपराधी नहीं रुक सकते। अपराध रोकने के लिए न्यायाधीशों को तैयार होना होगा। अपराध का तौर-तरीका बदलने की जरूरत है। अपराध रोकने के लिए सबसे महत्वपूर्ण

पुलिस बल है। जब तक पुलिस बल में अचूक परिवर्तन नहीं होगा और पुलिस में तब तक राजनीति हस्तक्षेप बंद नहीं होगा तब अपराधों पर लगाम लगाना टेढ़ी खीर इसके अलावा आर्थिक विषमता, शिक्षा व बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करके अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है सिर्फ कानून की किताबें बंदलाव अपराधों के हालात नहीं बदलने वाले।

इसरो का आदित्य - एल 1 सूर्य का अन्वेषण करने वाला पहला भारतीय मिशन 2 सितंबर को लॉन्च होगा

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: भारत इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) दो सितंबर को पहला सोलर मिशन शुरू करने जा रहा है. स्पेस एप्लिकेशन सेंटर अहमदाबाद के डायरेक्टर नीलेश एम देसाई ने इस संबंध में बताया कि सोलर मिशन Aditya L-1 लॉन्च कर सकता है.

भारत के तीसरे लूनर मिशन चंद्रयान-3 की चांद पर सफल लैंडिंग के बाद अब Aditya L-1 सूर्य-पृथ्वी के लैंग्रेंजियन पॉइंट पर रहकर सूर्य पर उठने वाले तूफानों को समझेगा. यह पॉइंट पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर है. यहां तक पहुंचने में इसे करीब 109 दिन लगेंगे. Aditya L-1 मिशन का लक्ष्य L1 के चारों ओर की कक्षा से सूर्य का अध्ययन करना है.

Aditya L-1 पूरी तरह से मेक इन इंडिया इनिशिएटिव है, जिसमें राष्ट्रीय संस्थानों की भागीदारी है.

बेंगलुरु स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स (आईआईए) की 'विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ पेलेड' के विकास में अहम भूमिका है, जबकि पुणे के ' इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनामि एंड एस्ट्रोफिजिक्स' ने मिशन के लिए 'सोलर अल्ट्रावायॉलेट इमेजर पेलेड' विकसित किया है. साथ ही सह-J संस्थान: भारतीय खगोल

भौतिकी संस्थान (IIA) , अंतरिक्ष विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र भारत (CESSI)- IISER कोलकाता भी इसमें शामिल हैं ।

क्या है आदित्य-एल1 मिशन:

आदित्य (संस्कृत में इसका अर्थ सूर्य है) सौर वातावरण (सौर कोरोना - सबसे बाहरी भाग) का अध्ययन करने के लिए एक नियोजित कोरोनोग्राफी अंतरिक्ष यान है ।

लैंग्रेंज पॉइंट क्या हैं

लैंग्रेंज बिंदु अंतरिक्ष में ऐसे स्थान हैं जहां भेजी गई वस्तुएं वहीं रुक जाती हैं, क्योंकि दो बड़े द्रव्यमानों का गुरुत्वाकर्षण खिंचाव एक छोटी वस्तु को उनके साथ चलने के लिए आवश्यक सेंट्रिपेटल बल के बराबर होता है ।

अंतरिक्ष में इन बिंदुओं का उपयोग अंतरिक्ष यान द्वारा स्थिति में बने रहने के लिए आवश्यक ईंधन की खपत को कम करने के लिए किया जा सकता है ।

सूर्य-पृथ्वी प्रणाली का पहला लैंग्रेंजियन बिंदु, L1 कक्षा, आदित्य-L1 को लगातार सूर्य को देखने की अनुमति देता है ।

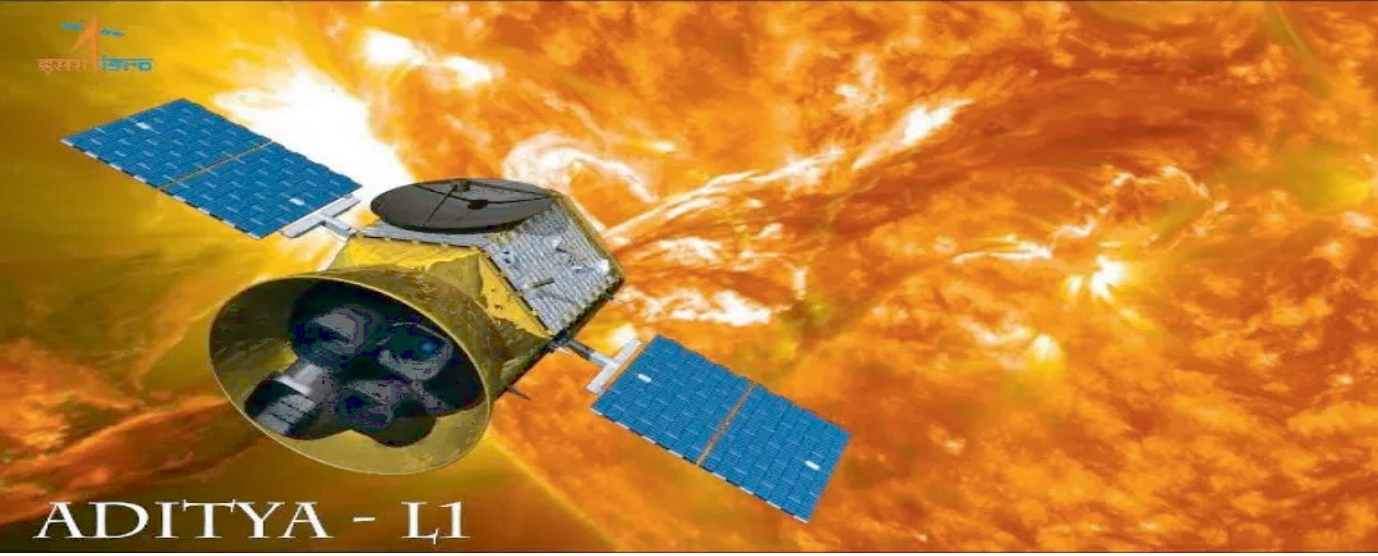
Aditya L-1, अल्ट्रावायॉलेट पेलेड का इस्तेमाल करके सूर्य की सबसे बाहरी परत (कोरोना) और एक्स-रे पेलेड का उपयोग कर सौर क्रोमोस्फियर परतों पर स्टडी करेगा. पार्टिकल डिटेक्टर और

मेग्नेटोमीटर पेलेड आवेशित कणों के बारे में जानकारी दे सकते हैं. सैटेलाइट को दो सप्ताह पहले आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित इसरो के अंतरिक्ष केंद्र पर लाया गया है.

सूर्य का निरीक्षण क्यों करें ?

सूर्य को देखने का मानवता का शौक इतिहास जितना ही पुराना है । ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग 800 ईसा पूर्व में, चीनियों ने सनस्पॉट की पहली समीक्षा की थी । 1600 के दशक की शुरुआत में, यूरोप में चार खगोलविदों, जिनमें गैलीलियो गैलीली भी शामिल थे, ने दूरबीनों से सूर्य के धब्बों का निष्पक्ष अवलोकन किया । सूर्य के अवलोकन और इसमें क्या हो रहा है इसकी जांच ने पिछले कुछ वर्षों में कई प्रगतियों को प्रेरित किया है, जैसे हीलियम की खोज, परमाणु भौतिकी की बेहतर जानकारी और यहां तक कि न्यूट्रिनो दोलनों का आविष्कार । 20वीं सदी में, जैसे-जैसे वैज्ञानिकों ने तारे कैसे काम करते हैं, इसकी रूपरेखा देखी, सूर्य की जानकारी और भी अधिक महत्वपूर्ण हो गई । हमारे सबसे निकटतम तारे के रूप में, सूर्य के अवलोकन और जांच तारों की आंतरिक कार्यप्रणाली के बारे में एक अद्वितीय धारणा प्रदान कर सकते हैं ।

विदित हो कि सौर भौतिकी के क्षेत्र में प्रमुख अनुसुलझे मुद्दों में से एक यह है कि



सूर्य का ऊपरी वायुमंडल 1,000,000 K (1,000,000 °C; 1,800,000 °F) गर्म है जबकि निचला वातावरण केवल 6,000 K (5,730 °C; 10,340 °F) गर्म है । इसके अलावा, यह समझ में नहीं आता है कि सूर्य का विकिरण पृथ्वी के वायुमंडल की गतिशीलता को छोटे और लंबे समय के पैमाने पर कैसे प्रभावित करता है । मिशन सूर्य के वायुमंडल की विभिन्न परतों की लगभग एक साथ छवियां प्राप्त करेगा, जो उन तरीकों को प्रकट करेगी जिनसे ऊर्जा को एक परत से

दूसरी परत में स्थानांतरित और स्थानांतरित किया जा सकता है । इस प्रकार, आदित्य-एल 1 मिशन सूर्य की गतिशील प्रक्रियाओं की व्यापक समझ को सक्षम करेगा और सौर भौतिकी और हेलियो फिजिक्स में कुछ उत्कृष्ट समस्याओं का समाधान करेगा ।

इतिहास

जनवरी 2008 में अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए सलाहकार समिति द्वारा आदित्य की परिकल्पना की गई थी । शुरुआत में

इसकी परिकल्पना सौर कोरोना का अध्ययन करने के लिए कोरोनोग्राफ के साथ एक छोटे 400 किलोग्राम (880 पाउंड), LEO (800 किमी) उपग्रह के रूप में की गई थी । वित्तीय वर्ष 2016-2017 के लिए 3 करोड़ रुपये का प्रायोगिक बजट आवंटित किया गया था । तब से मिशन का दायरा बढ़ा दिया गया है और अब इसे लैंग्रेंज बिंदु एल1 पर स्थापित करने के लिए एक व्यापक सौर और अंतरिक्ष पर्यावरण वेधशाला बनाने की योजना है, इसलिए मिशन का नाम बदल

दिया गया । आदित्य-एल1 । जुलाई 2019 तक लॉन्च लागत को छोड़कर, मिशन की आवंटित लागत ₹ 378.53 करोड़ है ।

इस उपग्रह को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-एक्सएल द्वारा 2019 - 2020 की समय सीमा के दौरान लॉन्च किया जाने की सारी तैयारी थी, मिशन के उद्देश्यों को बाद में व्यापक कर दिया गया है और अब इसका उद्देश्य सूर्य और अंतरिक्ष पर्यावरण की एक व्यापक वेधशाला बनना है ।

भगवान वाल्मीकि तीर्थ में वाल्मीकि प्रकट उत्सव की तैयारीयो को लेकर धूना साहिब ट्रस्ट द्वारा मीटिंग का आयोजन किया गया

साहिल बेरी

अमृतसर। भगवान वाल्मीकि तीर्थ में वाल्मीकि प्रकट उत्सव की तैयारीयो को लेकर धूना साहिब ट्रस्ट द्वारा मीटिंग का आयोजन किया गया । गद्दी नशीन संत मलकीत नाथ, चेयरमैन ओम प्रकाश गब्बर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि वाल्मीकि प्रकट उत्सव की शोभा को बढ़ाने के लिए आगामी 4 सितंबर को धूना सहित ट्रस्ट पर जहां एक विशेष मीटिंग बुलाई गई है वहीं पर सर्व धर्म समाज के लोगों का गठम किया जाएगा । उन्होंने बताया कि इस गठन में वाल्मीकि मजहबी भाईचारा क्रिश्चियन समुदाय मुस्लिम समुदाय व हिंदू समुदाय के लोगों को बड़ी तादाद में एकत्रित किया जाएगा । उन्होंने बताया कि मीटिंग के उपरांत धूना साहिब ट्रस्ट द्वारा खून दान कैंप का आयोजन किया जाएगा । इस अवसर पर महामंत्री संत बलवंत नाथ, संत राकेश नाथ संत भंडारी नाथ, संत मेघनाथ, संत गणेश नाथ सहित वाल्मीकि नाम लेवा संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे ।



मॉडल स्कूल में शनिवारीय गतिविधि के तहत भारत को जानो एवं राखी बनाओ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

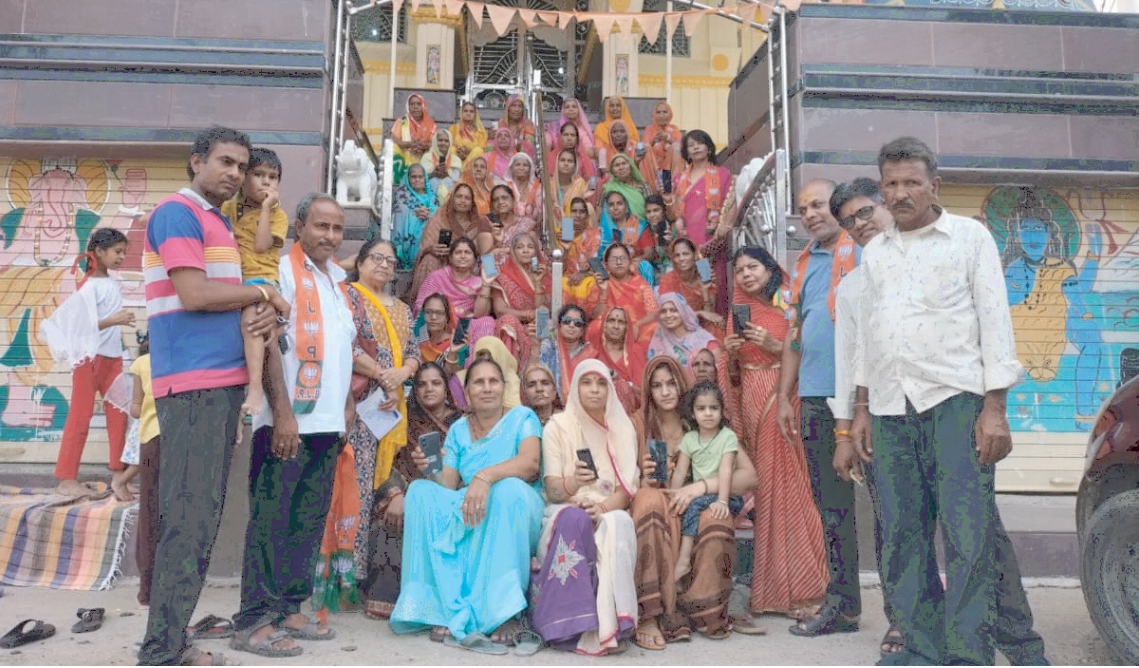
अनूप कुमार शर्मा

बागोर स्थानीय स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल बागोर में शनिवार को नो बैग डे के साथ ही साथ दिन सह शैक्षिक गतिविधि में बीता । जिसमें प्रातः कालीन सत्र में भारत विकास परिषद् के तत्वाधान में भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ । प्रभारी डॉक्टर अनुज नुवाल ने बताया की इस परीक्षा में कक्षा 6 से 8 तक के कुल 109 एवं कक्षा 9 से 12 तक के 153 विद्यार्थियों ने भाग लिया । डॉक्टर नुवाल ने बताया कि शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार जयपुर के निर्देशन में सुरक्षित स्कूल सुरक्षित राजस्थान अभियान के तहत विद्यालय की प्रभारी नेहा शर्मा द्वारा समस्त बालिकाओ को गुड टच बेड टच की ट्रेनिंग दी गई । वही गतिविधि प्रभारी प्रभारी वरिष्ठ शारिरिक शिक्षक लादू लाल खटीक, डॉक्टर अनुज नुवाल एवं

मनीष गढ़वाल के द्वारा 100 बालिकाओ के सहयोग से राखी बनाई गई एवं देश के सैनिक को राखी ड़ाक द्वारा भेजी गई । हाल में चंद्रयान-3 की सफलता के लिए इसरो का चिन्ह बनाकर हमारे भारत के वैज्ञानिको को समर्पित किया गया । इसके साथ ही विद्यालय में जूनियर वर्ग बालिका का अंतर सदनिय रस्सा कस्सी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसके अंतर्गत वेदांता, नरेन्द्र, विवेकानंद एवं राम कृष्ण हाउस की बालिकाओ ने भाग लिया जिसमें वेदांता हाउस की बालिका विजेता रही । प्रधानाचार्य एजाज हुसैन शेख, उपाचार्य अरविन्द शर्मा एवं गतिविधि प्रभारी लादू लाल खटीक ने विजेताओं को पारितोषिक देकर सम्मानित किया एवं भविष्य में होने वाली सह शैक्षिक गतिविधि में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया ।



शक्ति केंद्र पर विस्तारक अभियान के तहत महिलाओं को मिरुड कॉल करा सदस्यता अभियान से जोड़ा



अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा । भाजपा महिला मोर्चा मंगरोप मंडल में शक्ति केंद्र पर विस्तारक अभियान के तहत मिरुड कॉल करा कर सदस्यता अभियान से जोड़ा । जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के निर्देशानुसार महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष मंजू पालीवाल के नेतृत्व में मंगरोप मंडल में जिला उपाध्यक्ष कांता सोमानी द्वारा नव मतदाता मिरुड कॉल का कार्यक्रम किया गया साथ ही विस्तारक अभियान के तहत शक्ति केंद्र पर 11 महिलाओं की टीम बनाई गई भाजपा जिला मीडिया प्रभारी महावीर समदानी में बताया कि इस कार्यक्रम में सरपंच प्रतिनिधि भगवान लाल गुर्जर मंडल महामंत्री अशोक पाराशर गोपाल मारू लक्ष्मण सिंह, राकेश विजयवर्गीय मंडल संयोजक दिनेश सोमानी कैलाश चंद पोरवाल जिला महामंत्री सुमित्रा पोरवाल सुभाष मंडल अध्यक्ष सुलक्षणा शर्मा

अनीता सोमानी सीमा सोमानी सुमन सोमानी सीमा सोमानी रतन देवी पाराशर सानू सेन शकुंतला देवी सुराणा पिंकू परावत दीपिका सोमानी शकुंतला सोमानी देवी देवी पुष्पा देवी दादा सुंदर देवी गीता देवी सोमानी राजकुमारी सुनीता विजयवर्गी पुष्पा जावर रेनु सोमानी सीता धोबी रूपाली सोमानी लाड कन्न मीनाक्षी सोमानी आयुषी विजयवर्गी रवीना कंवर प्रिया सोमानी इंदिरा विजयवर्गी निर्मला सोमानी रामकन्या सोमानी आशा पाराशर सुमन सोमानी स्नेह लता काबरा आदि लाली देवी लाली देवी छिपा यशोदा सीमा सोनी भगवती वैष्णो रिकू वैष्णव सुमित्रा देवी सोनी सीता देवी सीमा सोमानी दीपिका सोमानी यशोदा छिपा सुशीला पाराशर रतन देवी ललिता लादी पाराशर अंशी बाई सुमन सोमानी शारदा सोमानी लहरी दुरोगा शांता पाराशर आदि महिलाएं उपस्थित थी ।

एस.बी.बी.जे. निवृत्तमान सदस्य संस्थान की साधारण बैठक सम्पन्न

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा । एस.बी.बी.जे. निवृत्तमान सदस्य संस्थान भीलवाड़ा की साधारण सभा की बैठक चामुण्डा माता के मंदिर परिसर भीलवाड़ा में गजेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में आयोजित की गयी संस्थान के सचिव सुमन्तु त्रिपाठी ने बताया कि बैठक का प्रारंभ मधु शर्मा द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ, सभा की शुरुआत में संस्थान के सचिव सुमन्तु त्रिपाठी ने साल भर का आय-व्यय विवरण एवं लेखा प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में एस.एम. कलवानी द्वारा एक्स्प्रेसर पद्धति से स्वस्थ रहने के तरीके बताये । रमेश चन्द्र चौहान ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन किया, जिसमें श्रीमती शांति टेलर, मंजु जैन, बंशीलाल खोईवाल ने गीत एवं कविता प्रस्तुत किये । डी.के. आर्य ने बांसुरी वादन की शानदार प्रस्तुत दी । प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का संचालन उमेश शर्मा ने किया । कार्यक्रम में नये सदस्य एन.के. पाटनी का स्वागत किया गया । जिसके साथ ही संस्थान की सदस्य संख्या 207 हो गई है । बैठक में संस्थान के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार जागोटिया, सुरेन्द्र कुमार जैन, जे.सी. काबरा, के.एन. त्रिपाठी ने विचार प्रकट किये । कार्यक्रम का सम्पूर्ण संचालन बी.एन. अरोड़ा ने किया । जिसमें प्रदीप चौधरी, नवीन गुप्ता, सुरेश खण्डेलवाल, डी.बी. जोशी एवं देवेन्द्र चतुर्वेदी ने सहयोग किया । बैठक में 53 सदस्यों ने भाग लिया । कार्यक्रम के अन्त में सभी ने सहभोज में भाग लिया ।

महिला एवं पुरुष में भेदभाव को खत्म करने की पहल

अनूप कुमार शर्मा, भीलवाड़ा । महिला एवं पुरुष के बीच में हो रहे भेदभाव और पुरुष प्रधान सोच को खत्म करने की एक पहल में कोचिंगों में जा जाकर महिलाओं पुरुष के बराबर के अधिकारों के बारे में बच्चों से बात की गई । यहां संस्थान में 14 साल से 17 साल वर्ष की आयु के बीच के बच्चे उपस्थित थे । इसकी शुरुआत हमने (एस.आर. क्लासेज) साबुन मार्ग रोड से की, जहां जाकर बच्चों को बताया गया कि किस प्रकार हम घर पर भी भेदभाव करते हैं कि भाई होने के नाते हम वह काम ज्यादा करते जो बाहर के होते हैं और बहन को घर के काम ज्यादा करते थे ही एक तरह का अत्याचार इस सोच को बदलने का प्रयास किया गया । प्रेरक मोइनुद्दीन बागवान और आदिल अहमद के द्वारा किया गया और आने वाली पीढ़ी की संविधान के लिए क्या भूमिका होनी चाहिए और संविधान की जानकारी हम किस प्रकार प्राप्त कर सकते हैं यह जानकारी दी गई । प्रेरक आदिल और मोइनुद्दीन द्वारा प्रत्येक शनिवार को अलग-अलग कोचिंगों में जाकर महिला और पुरुष के बीच में हो रहे भेदभाव के बीच में बच्चों से हम संवाद करेंगे, हमारे देश में एक किताब जिसका नाम संविधान है उसकी क्या ताकत है, यह हम बच्चों को जा जाकर बताएंगे और वह किस तरह उसका उपयोग में ले सकते हैं ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, ग्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित । सम्पर्क : 9212122095, 98117320959 .

किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा । समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए संपादक जिम्मेदार हैं । Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023